page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/26/2025 1:08 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 कठुआ प्रशासन ने सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य शिक्षा अधिकारी को किया सम्मानित

5 रोहित शर्मा ने लगाया लिस्ट ए करियर का सबसे तेज शतक, मुंबई की 8 विकेट से जीत

8 मसूर फसल की आर्गेनिक खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 8 — अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-317 | जम्मू तवी, शुक्रवार 26 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

एक ही परिवार को श्रेय देने की परम्परा से देश को बाहर निकाला: नरेन्द्र मोदी

-अटलजी की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का किया लोकार्पण-

65 एकड़ में बने प्रेरणा स्थल में श्यामा प्रसाद, दीनदयाल व अटल बिहारी की प्रतिमाएं हैं स्थापित

लखनऊ, 25 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने देश के विकास में योगान देने वाली महान विभूतियों का कद छोटा करने का कार्य किया। भाजपा की सरकार ने आंबेडकर, नरसिम्हा राव, प्रणब मुखर्जी, भगवान विरसा मुंडा से लेकर अटलजी तक के योगदान को समान रूप से सम्मान दिया और उनके योगदान को याद किया है। देश में दूसरों की लकीर छोटी कर एक ही परिवार को सारा श्रेय देने का प्रयास हुआ, भाजपा ने उसे भी बदला है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी महोत्सव के अवसर पर नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज लखनऊ की यह धरती नयी प्रेरणा का साक्षी बन रही है। 25 दिसंबर का यह दिन दो महान विभूतियों के जन्म का सुयोग लेकर आता है। अटलजी और महामना मदन मोहन मालवीयजी की जयंती है। आज के ही दिन महाराजा बिजली पासी की भी जन्म जयंती है। महाराजा बिजली पासी ने जो विरासत छोड़ी, उसे हमारे पासी समाज ने आगे बढ़ाया। यह संयोग ही था कि अटलजी ने ही वर्ष 2000 में महाराजा बिजली पासी के नाम पर डाक टिकट जारी किया। इन महान विभूतियों को नमन करता हूं।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है जिसने भारत को आत्म सम्मान और एकता का मार्ग दिखाया। मुखर्जी, उपाध्याय और अटलजी की यह प्रतिमाएं जितनी ऊंची हैं, उससे अधिक ऊंची उनके विचार हैं। अटलजी कविता कदम मिलाकरज्पढ़ते हुए मोदी ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल हमे संदेश देता है कि हमारा हर कदम राष्ट्र के लिए है। सबका प्रयास ही विकसित भारत के संकल्प का सिद्ध करेगा। इस भूमि पर पिछले कई दशकों से कूड़ा जमा था। प्रेरणा स्थल के निर्माण में लगे श्रमिकों और योगीजी की टीम को शुभकामनाएं देता हूं।

मोदी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ही थे, जिन्होंने भारत के दो प्रधान दो विधान को खारिज किया था। भाजपा सरकार को आर्टिकल 370 को गिराने का अवसर मिला। स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में देश को पहली औद्योगिक नीति दी। आज आत्मनिर्भरता के उसी मंत्र को हम बुलंदी दे रहे हैं। आज भारत में निर्मित सामान पूरी दुनिया में पहुंच रहा है। यूपी में एक जनपद एक उत्पाद सफलता से आगे बढ़ रहा है। दूसरी ओर डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। दुनिया ने ब्रह्मोस को देखा। वह दिन दूर नहीं जब यूपी डिफेंस उत्पादक के रूप में देखा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दीनदयालजी ने एकात्म मानव वाद का दर्शन दिया। जहां शरीर, मन, बुद्धि, सबका विकास हो। हर जरूरतमंद को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के दायरे में लाने का प्रयास हो। यही सुशासन है। यह सच्चा सेक्युलरिज्म है। आज भारत में पहली बार बिना भेद भाव पक्का घर, बिजली, शौचालय, मुफ्त इलाज और अनाज मिल रहा है। पंडित दीनदयाल के विचारों क साथ न्याय हो रहा है। देश ने गरीबी को हराया है। यह इसलिए संभव हो सका क्योंकि भाजपा सरकार ने अंतिम व्यक्ति को प्राथमिकता दी।

उपराज्यपाल ने महामाना पंडित मालवीय और अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

जम्मू, 25 दिसंबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को महामाना पंडित मदन मोहन मालवीय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपराज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के लिए महामाना और अटल जी के आदर्श और दूरदृष्टि तथा सामाजिक सद्भाव, समानता और न्याय का उनका संदेश हमेशा लोगों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि वे आधुनिक भारत के दूरदर्शी निर्माता हैं।

इस वर्ष महामाना पंडित मदन मोहन मालवीय की 164वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती है।

उपराज्यपाल ने भारत की शैक्षिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक उन्नति में महामाना मालवीय के अद्वितीय योगदान पर प्रकाश डाला।

उपराज्यपाल ने कहा कि महामाना ने आधुनिक शिक्षा को विकास का एक शक्तिशाली चालक बना दिया।

महामाना जी ने जनसंचार और चंदे से बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की स्थापना की। उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए, हमने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का उपयोग करके बुनियादी ढांचे का विकास किया है, और जम्मू-कश्मीर में, हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी गोलाबारी और हाल की प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों के लिए 1,800 से अधिक घरों की नींव रखी है,।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि अटल जी ने भारत की आंतरिक शक्ति को जागृत किया और वैश्विक मंच पर साथी भारतीयों में आत्मसम्मान की भावना पैदा की।

अटल जी ने सुशासन और आर्थिक विकास को प्राथमिकता दी। उनका प्रभाव सार्वभौमिक था। उनके प्रशासनिक सुधारों और पारदर्शिता, जवाबदेही और कुशल, नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण पर उनके ध्यान ने समावेशी और तीव्र विकास सुनिश्चित किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महामाना जी और अटल जी के सपने अब साकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का उदय इस परिवर्तन का प्रमाण है। इतिहास में पहली बार हम एक सशक्त और निर्णायक सरकार को आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करते हुए देख रहे हैं।

स्व. अटल जी के सार्वजनिक जीवन में शुचिता और पारदर्शिता रही सर्वोपरि : शाह

भोपाल, 25 दिसंबर । केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सार्वजनिक जीवन में शुचिता और पारदर्शिता का स्थान सर्वोपरि रहा है। उन्होंने सुशासन की स्थापना के लिये अपने कार्यों से नये आयाम स्थापित किये। उन्होंने जो कहा उसे धरातल साकार करके दिखाया। भारतीय राजनीति में स्व. वाजपेयी का स्थान और योगदान दोनों ही अद्वितीय है। स्व. अटलजी को रीवा से सदैव विशेष लगाव रहा।

केन्द्रीय मंत्री शाह गुरुवार को मध्य प्रदेश के रीवा जिले के बसामन मामा गौ वन्य विहार अभयारण्य में प्राकृतिक खेती के प्रकल्प का शुभारंभ कर कृषक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बसामन मामा प्राकृतिक खेती प्रकल्प विंध्य के किसानों के लिये मार्गदर्शक बनेगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने सम्मेलन में हितग्राहियों को हितलाभ एवं

> **प्राकृतिक खेती को अपनाने से उत्पादन कम नहीं होता है। मैंने स्वयं अपने खेतों में प्राकृतिक खेती को अपनाया है**

संकल्प पत्रों को वितरण किया।

शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश का रीवा क्षेत्र धीरे-धीरे विकसित क्षेत्र बन रहा है। आज एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट रीवा में है। रीवा से जबलपुर तक सड़कों के जाल सहित इंदौर और दिल्ली के लिये वायु सेवा का भी विस्तार हुआ है। अब रीवा एयरपोर्ट से इंदौर और दिल्ली के लिए 24 घंटे हवाई सेवा उपलब्ध है। रीवा में बसावन मामा गौवंश वन्य विहार के रूप में अनुकरणीय प्रकल्प तैयार किया गया है। यहां गोबर से बने खाद से प्राकृतिक खेती की जा रही है। एक एकड़ में सवा

लाख रुपये की आय देने का यह प्रयोग छोटे किसानों को बड़ा लाभ प्रदान करेगा। किसान इस मॉडल को अपनाएंगे तो उनकी आय बढ़ेगी। राज्य सरकार प्रगतिशील किसानों को इस परंपरागत मॉडल से अवगत कराने के लिये उनका भ्रमण कराए।

उन्होंने कहा कि एक देशी गाय से 21 एकड़ रकबे में प्राकृतिक खेती होती है। किसान ही अन्नदाता है। अन्नदाता को प्राकृतिक खेती के लिये प्रेरित करने के साथ ही प्रोत्साहित करने के समग्र प्रयास हम सबको समन्वित तरीके से करना है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि अनाज के उत्पादन में रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग के कारण कई तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं। इससे बचाव के लिये जरूरी है कि हम सभी प्राकृतिक के संवर्धन में अपना योगदान दें।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती को अपनाने से उत्पादन कम नहीं होता है। मैंने स्वयं अपने खेतों में प्राकृतिक खेती को अपनाया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय के अंतर्गत वृहद स्तर पर प्राकृतिक खेती की उपज के प्रमाणीकरण का कार्य किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादित उपज के सर्टिफिकेशन, पैकेजिंग और मार्केटिंग की व्यवस्था की है। आगामी समय में देश में 400 से अधिक प्रयोगशालाएं किसान को प्राकृतिक खेती से संबंधित प्रमाण-पत्र प्रदान करेंगी।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की छवि दुनिया में हुई बेहतर: राजनाथ सिंह

लखनऊ, 25 दिसंबर । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण समारोह में रक्षा मंत्री व क्षेत्रीय सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज पूरी दुनिया में भारत को गौरव दिलाने का काम कर रहे हैं। दुनिया के 29 देशों के सर्वोच्च पुरस्कार प्रधानमंत्री मोदी को अब तक मिले हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की पूरे विश्व में छवि बेहतर हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई विशिष्टजनों की उपस्थिति में लखनऊ में बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया। इस भव्य समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 11 साल प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की वजह से महंगाई दर कम हो रही है। इसी के साथ-साथ विकास दर आठ फीसदी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज मजबूत हुई है। अब भारत कुछ बोलता है तो पूरा विश्व ध्यान से सुनता है कि भारत कह क्या रहा है। मोदी के नेतृत्व में भारत की पूरे विश्व में छवि बेहतर हुई है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज यह बेहद महत्वपूर्ण अवसर है, जब लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा वाले राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण हो रहा है। मोदी सरकार एक भारत श्रेष्ठ भारत के साथ महापुरुषों के सम्मान और विरासत को संजोने का अभियान चला रही है और यह उसी अभियान का एक हिस्सा है। इन महापुरुषों की वैचारिक प्रतिबद्धताओं को उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पंडित

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन बलिदान दिया। कश्मीर में धारा 370 को हटाने के लिए संघर्ष किया और उसे आगे बढ़ाते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा कर पूरा किया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद और अंत्योदय का मंत्र दिया और बताया कि व्यक्ति धन से ही सुखी नहीं होता है बल्कि उसके मन, आत्मा और विचार से भी सुखी होना चाहिए। व्यक्ति की आत्मा का परमात्मा से भी मिलन होना चाहिए। लखनऊ से सांसद रह चुके भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अटलजी के बारे में लखनऊ के लोग अच्छी तरह से जानते हैं। उनके विनोदी स्वभाव को भी जानते हैं। केंद्रीय रक्षामंत्री ने अपने संबोधन में अटलजी की पाकिस्तान की एक यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि अटलजी से एक महिला पत्रकार ने शादी करने का प्रस्ताव देते हुए कि कश्मीर देना पड़ेगा तो अटलजी ने अपने विनोदी स्वभाव के अनुसार बोले हां स्वीकार है, लेकिन दहेज में पूरा पाकिस्तान मिलना चाहिए।

स्टाम्प शुल्क संशोधन नियमित अभ्यास; पूरे कश्मीर में शीतकालीन तैयारियों की योजना सक्रियः अंशुल गर्ग

श्रीनगर, 25 दिसंबर। कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने गुरुवार को कहा कि स्टांप शुल्क दरों का वार्षिक संशोधन एक नियमित प्रशासनिक अभ्यास था और संशोधित दरों को शीघ्र ही अधिसूचित किया जाएगा। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए गर्ग ने कहा कि यह अभ्यास हर साल किया जाता है नई स्टांप शुल्क दरें 1 जनवरी से लागू होती हैं। उन्होंने कहा कि यह एक नियमित प्रशासनिक अभ्यास है। मानदंडों के अनुसार दरें जल्द ही अधिसूचित की जाएंगी। सर्दियों की तैयारियों पर संभागीय आयुक्त ने कहा कि प्रशासन ने सर्दियों के मौसम से निपटने के लिए सभी आवश्यक तंत्र सक्रिय कर दिए हैं जो पहले से ही घाटी के ऊंचे इलाकों में शुरू हो चुका है। गर्ग ने कहा कि शीतकालीन तैयारियों की उच्चतम स्तर पर निगरानी की जा रही है और मुख्यमंत्री ने हाल ही में पूरे केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की व्यवस्थाओं की समीक्षा की है। उन्होंने कहा कि सभी विभागों ने अपनी शीतकालीन तैयारी योजनाओं को सक्रिय कर दिया है जैसा कि हर साल किया जाता है।उन्होंने कहा कि जिला-स्तरीय नियंत्रण कक्ष उपायुक्तों द्वारा स्थापित किए गए हैं जबकि संभागीय नियंत्रण कक्ष एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये नियंत्रण कक्ष सर्दियों के दौरान जनता की शिकायतों को दूर करने और प्रतिक्रियाओं के समन्वय के लिए चालू रहेंगे। संभागीय आयुक्त ने कहा कि बर्फ हटाने निर्बाध बिजली आपूर्ति और क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों को समय पर बदलने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के दौरान बिजली व्यवधान एक बड़ी चिंता है द्य और विभागों को सेवाओं की त्वरित बहाली सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

मारपीट के मामले में 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार, हथियार बरामद

सांबा, 25 दिसंबर । सांबा पुलिस ने अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ अपनी मुहिम जारी रखते हुए बारी ब्राह्मणा पुलिस स्टेशन में दर्ज मारपीट के मामले में वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से एक धारदार हथियार बरामद किया है। अपराध में इस्तेमाल किया गया वाहन भी जब्त कर लिया गया है। 23 12 2025 को बंटी पुत्र रतन लाल निवासी राजीव कॉलोनी बारी ब्राह्मणा ने पुलिस स्टेशन बारी ब्राह्मणा में लिखित शिकायत दर्ज कराई जिसमें उसने बताया कि उसके भतीजे पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने धारदार हथियार से हमला किया जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। शिकायत के आधार पर पुलिस स्टेशन बारी ब्राह्मणा में एफआईआर संख्या 212 2025 धारा 126 115 352 191 बीएनएस 4 25 शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस स्टेशन बारी ब्राह्मणा की टीम ने कई छापेमारी करने के बाद आरोपी मोहित कुमार पुत्र जीत राज निवासी आर.एस.पुरा जिला जम्मू को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की और इस मामले में दो अन्य आरोपियों नाबालिगों को भी हिरासत में लिया। आरोपी अपराध करने के बाद फरार हो गए थे और उन्हें हिरासत में लिया गया।

रेलवे ने यात्री किराए में किया आंशिक संशोधन, 26 दिसंबर से लागू होंगे नए किराए

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (भारतीय रेलवे ने यात्री ट्रेनों के मूल किराए (बेसिक फेयर) में आंशिक संशोधन करने का निर्णय लिया है। रेलवे बोर्ड द्वारा गुरुवार को जारी वाणिज्यिक परिपत्र के अनुसार संशोधित किराया तालिका 26 दिसंबर से प्रभावी होगी।

रेल मंत्रालय के अनुसार उपनगरीय ट्रेनों के एकल यात्रा टिकट और सीजन टिकट (उपनगरीय व गैर-उपनगरीय) के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, गैर-उपनगरीय साधारण द्वितीय श्रेणी में प्रति यात्री किलोमीटर एक पैसे की बढ़ोतरी की गई है, हालांकि दूरी के आधार पर अधिकतम बढ़ोतरी सीमित रखी गई है। परिपत्र के अनुसार 215 किलोमीटर तक की दूरी पर कोई वृद्धि नहीं होगी। 216 से 750 किलोमीटर तक की यात्रा पर अधिकतम 5 रुपये, 751 से 1250 किलोमीटर पर 10 रुपये, 1251 से 1750 किलोमीटर पर 15 रुपये और 1751 से 2250 किलोमीटर की दूरी पर अधिकतम 20 रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

सोनमर्ग घाटी का सबसे ठंडा स्थान

श्रीनगर, 25 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर में ठंड का प्रकोप जारी है। शीतलहर भी लोगों की परेशानी का सबब बन रही है। इसी बीच कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में देर रात न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदू से नीचे दर्ज किया गया, जिसमें सोनमर्ग घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां तापमान -7.3 डिग्री सेल्सियस था।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान -5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पहलगाम में -4.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। शोपियां और पुलवामा में भी तापमान शून्य से नीचे रहा, जहां न्यूनतम तापमान क्रमशः -4.0 डिग्री सेल्सियस और -3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। श्रीनगर हवाई अड्डे पर न्यूनतम तापमान -3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि शहर के केंद्र में न्यूनतम तापमान -2.2 डिग्री

सेल्सियस रहा। घाटी के अन्य हिस्सों में भी ठंड का प्रकोप रहा जहां अनंतनाग में -2.7 डिग्री सेल्सियस, पंपोर में -2.5 डिग्री सेल्सियस, बडगाम में -2.3 डिग्री सेल्सियस, कुपवाडा में -2.0 डिग्री सेल्सियस और काजीगुंड में -1.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

पुलिस ने अरनिया इलाके के दो कुख्यात अपराधियों पर जन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया

जम्मू, 25 दिसंबर । जम्मू पुलिस ने आज आरएसपुरा अरनिया इलाके के दो कुख्यात अपराधियों पर पीएसए के तहत मामला दर्ज किया और दोनों को पुंछ जिला जेल में भेज दिया। कुख्यात अपराधी परमजीत कुमार उर्फ जुंगी पुत्र स्वर्गीय देवी दास निवासी द्राप्टे तहसील आरएसपुरा जिला जम्मू को जिला मजिस्ट्रेट से औपचारिक हिरासत आदेश प्राप्त करने के बाद सार्वजनिक सुरक्षा कार्रवाई पीएस के तहत बुक किया गया है।

इस कुख्यात अपराधी को जिला जेल पुंछ में रखा गया है। एक अन्य कुख्यात अपराधी शुभम सैनी उर्फ मुंडी पुत्र दर्शन लाल सैनी निवासी अरनिया जो हाल के महीनों में कई एफआईआर में शामिल है

जम्मू से औपचारिक हिरासत आदेश प्राप्त करने के बाद सार्वजनिक सुरक्षा कार्रवाई पीएसए के तहत बुक किया गया है। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि उपरोक्त अपराधियों के खिलाफ जम्मू जिले में पहले से ही कई एफआईआर दर्ज हैं। उपरोक्त कुख्यात अपराधी हर बार माननीय न्यायालयों से जमानत प्राप्त करने में सफल रहे हैं।

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई, जेसीबी और टिपर जब्त

जम्मू, 25 दिसंबर। अवैध खनन के खिलाफ अपने निरंतर अभियान के तहत पुलिस पोस्ट बर्थीपोरा ने जिले के बर्थीपोरा क्षेत्र में खनिजों के अनधिकृत निष्कर्षण और परिवहन में शामिल एक जेसीबी और एक टिपर को जब्त कर लिया है।

नियमित गश्त के दौरान पुलिस पोस्ट बर्थीपोरा के एक पुलिस दल ने एक जेसीबी और एक टिपर को रोका जो वैध रॉयल्टी दस्तावेजों के बिना अवैध रूप से खनिज निकालते हुए पाए गए थे।

इस संबंध में पुलिस स्टेशन केलर में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 53/2025 दर्ज की गई है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

यूटी प्रशासन पूरे लद्दाख में समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध : कविंदर

शकर-चिकतन में जन शिकायत निवारण शिविर आयोजित किया

कहा, लद्दाख के हर नागरिक को प्रगति और बेहतर जीवन स्तर का लाभ मिलना चाहिए

केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में बड़े बदलाव हुए हैं

कारगिल, 25 दिसंबर। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल, श्री कविंदर गुप्ता ने आज इस बात पर ज़ोर दिया कि UT प्रशासन पूरे लद्दाख में समान और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, जिसमें दूर-दराज, दुर्गम और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि विकास केवल शहरी केंद्रों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि सबसे कठिन और दुर्गम क्षेत्रों तक पहुँचना चाहिए, ताकि लद्दाख के हर नागरिक को प्रगति और बेहतर जीवन स्तर का लाभ मिल सके। उपराज्यपाल शकर-चिकतन में एक जन शिकायत निवारण शिविर को संबोधित कर रहे थे, जहाँ उन्होंने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और विकास और जन कल्याण से संबंधित उनके मुद्दों, चिंताओं और सुझावों को धैर्यपूर्वक सुना। सोलह गाँवों के

प्रतिनिधियों ने उप-मंडल से संबंधित अपनी समस्याओं को उजागर किया। उपराज्यपाल ने प्रशासन और जनता के बीच सीधे जुड़ाव के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि इस तरह की बातचीत ज़मीनी हकीकत को समझने और जनता का विश्वास मज़बूत करने में मदद करती है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि शिविर के दौरान उठाई गई शिकायतों की सावधानीपूर्वक जाँच की जाएगी और समय पर समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। श्री कविंदर गुप्ता ने कहा कि 2019 में लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से, पूरे क्षेत्र में विकास की गति में काफी वृद्धि हुई है, और अ प्रशासन लगातार जन कल्याण और विकास पहलों को आगे बढ़ा रहा है। कारगिल के लोगों, विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों के योगदान को याद करते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि वे हमेशा चुनौतीपूर्ण समय में देश के साथ खड़े रहे हैं और उनका बलिदान, साहस और देशभक्ति प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में हाल की पहलों पर प्रकाश डालते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि कल उन्होंने जिला अस्पताल कारगिल में अत्याधुनिक 3 टेस्ला MRI सुविधा का उद्घाटन किया, जो कारगिल और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए उन्नत नैदानिक सेवाओं को काफी बढ़ाएगी।

उपराज्यपाल ने लद्दाख के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

इंटरव्यू की खास बातें

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

योग में संवारे कैरियर

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका

होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

कश्मीर में पूरे उत्साह के साथ मनाया क्रिसमस, लोगों की शांति और समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थनाएं कीं

श्रीनगर, 25 दिसंबर (हि.स.)। कश्मीर में गुरुवार को ईसाईयों ने पूरे उत्साह के साथ क्रिसमस मनाया और लोगों की शांति और समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थनाएं कीं।

इस अवसर पर कश्मीर के चर्चों को सजाया गया था। सबसे बड़ी भीड़ मौलाना आजाद रोड स्थित होली फैमिली कैथोलिक चर्च में एकत्रित हुई, जहां ईसाई समुदाय के सदस्यों ने विशेष प्रार्थनाएं कीं और यीशु मसीह के जन्म का उत्सव मनाया। चर्च के पादरी फादर जॉन पॉल ने कहा कि श्रद्धालुओं ने कश्मीर और पूरे देश में शांति और स्थिरता के लिए प्रार्थना की। उन्होंने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा, हमने कश्मीर और पूरे देश में शांति और स्थिरता के लिए प्रार्थना की। हमने प्रार्थना की कि लोग एक-दूसरे की मदद और समर्थन कर सकें। हमने कश्मीर के उन लोगों के लिए रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए भी प्रार्थना की

जिन्हें कम अवसर मिलते हैं। क्रिसमस पर बर्फबारी न होने पर खेद व्यक्त करते हुए फादर पॉल ने कहा कि श्रद्धालुओं को बर्फबारी की कमी खल रही है लेकिन मौसम फिर भी सुहाना था। उन्होंने कहा, हम शहर और मैदानी इलाकों में बर्फबारी की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिर भी हम सुहावने मौसम के लिए ईश्वर के आभारी हैं। उन्होंने लोगों से मानवता, भाईचारा और प्रेम की भावना जागृत करने का आह्वान किया।

फादर पॉल ने कहा, आज हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आगमन देख रहे हैं और हम भी धीरे-धीरे कृत्रिम होते जा रहे हैं क्योंकि हम अपनी मानवता, भाईचारा और प्रेम की भावना खोते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें आशा है कि क्रिसमस के अवसर पर हम अपनी इन भावनाओं और इन अच्छी बातों को फिर से जगा पाएंगे। देश के कुछ हिस्सों में समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न की घटनाओं पर उन्होंने कहा कि स्थिति में सुधार होगा और अच्छे दिन लौटेंगे। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में देश में धर्म से संबंधित कुछ घटनाएं हुई हैं, लेकिन धीरे-धीरे बदलाव आएगा और हम उस बेहतर बदलाव के लिए प्रार्थना करते हैं।

क्रिसमस समारोह में बहुसंख्यक मुस्लिम समुदाय के कई सदस्यों की भागीदारी पर उन्होंने कहा कि मानवता की भलाई के लिए विभिन्न समुदायों के लोगों को मिलकर काम करना होगा।

शहीद हुए सेना के जेसीओ का पैतृक गांव में सैन्य सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

जम्मू, 25 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में गोलीबारी की घटना में बलिदान हुए सेना के एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) का गुरुवार को उनके पैतृक गांव रियासी में पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जेसीओ सूबेदार सुरजीत सिंह मंगलवार देर रात सांबा स्थित एक सैन्य शिविर में गोलीबारी की घटना में बलिदान हो गए थे।अधिकारियों ने बताया कि जेसीओ के पार्थिव शरीर को उनके घर लाए जाने पर सरला गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जहां वरिष्ठ सेना, पुलिस और नागरिक अधिकारियों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। जिले के विभिन्न हिस्सों से हजारों लोग

गांव में उमड़े, अंतिम यात्रा में शामिल हुए और अधिकारी, सेना और देश की प्रशंसा में नारे लगाए।

शहीद अमर रहे के नारों के बीच परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों सहित सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी। बाद में तोपों की सलामी और अंतिम बिगुल की ध्वनि के साथ उनका पूर्ण सैन्य सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया।

भारतीय सेना के राइजिंग स्टार कोर ने वीर सूबेदार सुरजीत सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, फ्दुख की इस घड़ी में भारतीय सेना शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और अटूट समर्थन का आश्वासन देती है।

71 छात्रों को गुजरात में 26वें राष्ट्र कथा शिविर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

जम्मू, 25 दिसंबर (हि.स.)। सीमावर्ती और पहाड़ी जिलों के युवाओं को राष्ट्रीय स्तर की सांस्कृतिक शैक्षिक और प्रेरक गतिविधियों से अवगत कराने और देशभक्ति सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जम्मू जोन के 71 छात्रों और 4 देखभालकर्ताओं के एक दल को वैदिक मिशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित 26वें राष्ट्र कथा शिविर में भाग लेने के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है।

यह शिविर 27 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक राजकोट जिले के उपलेटा तहसील के प्रांसला गांव में आयोजित किया जा रहा है। हरी झंडी दिखाने का समारोह जम्मू स्थित जीओ मेस में आयोजित किया गया और इसका संचालन जम्मू जोन के आईजीपी के स्टाफ ऑफिसर शमशीर हुसैन जेकेपीएस द्वारा किया गया।

2 छात्रों का चयन रियासी, डोडा, किश्तवाड, पुंछ और अन्य क्षेत्रों सहित जिलों से किया गया है जो सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों पुलिस पब्लिक विद्यालयों और प्रतिष्ठित निजी संस्थानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने इसमें सहयोग प्रदान किया है।

पुलवामा जिले में पुलिस ने आयोजित किया थाना दिवस

पुलवामा, 25 दिसंबर (हि.स.)। पुलवामा पुलिस ने जन संपर्क और सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत जिले के सभी पुलिस प्रतिष्ठानों में थाना दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संबंधित क्षेत्राधिकार अधिकारियों ने की और इसमें जन प्रतिनिधियों, औकाफ समितियों, नंबरदारों , चौकीदारों, व्यापार और परिवहन संघों के सदस्यों, नागरिक समाज के सदस्यों और संबंधित क्षेत्रों के अन्य सम्मानित नागरिकों ने भाग लिया। इन बैठकों के दौरान जन महत्व के विभिन्न मुद्दों को उठाया गया। प्रतिभागियों को आश्वासन दिया गया कि पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी वास्तविक शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा जबकि अन्य विभागों से संबंधित मामलों को शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ उठाया जाएगा। जनता से शांति और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस के साथ सहयोग करने और राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक तत्वों विशेष रूप से नशीले पदार्थों की तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान करने में सहायता करने का आग्रह किया गया। प्रतिभागियों ने ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि ये संवाद विश्वास बनाने पारदर्शिता बढ़ाने और पुलिसिंग में जनता का भरोसा मजबूत करने में सहायक होते हैं।

भूमि दानदाताओं के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री जावेद राणा से की मुलाकात

जम्मू, 25 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग से जुड़े भूमि दानदाताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को कैबिनेट मंत्री जावेद राणा से उनके आवास कार्यालय में मुलाकात की और अपनी सेवाओं को नियमित करने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बताया कि वे महत्वपूर्ण सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अवसंरचना के निर्माण के लिए दान की गई भूमि के बदले विभाग के साथ काम कर रहे हैं। अपने दीर्घकालिक जुड़ाव और योगदान पर प्रकाश डालते हुए भूमि दानदाताओं ने अपने लंबित मुद्दों के विचारपूर्वक समाधान की मांग की।

जम्मू कश्मीर में लाखों की लागत से लिंक रोड का शिलान्यास

राजौरी, 25 दिसंबर(हि.स.)। राजौरी थनमंडी इलाके में विकास की नई इबारत लिखते हुए विधायक मुजफ्फर इकबाल खान ने आज नोलिया मुख्य सड़क से डारहल तक बहुप्रतीक्षित लिंक रोड का शिलान्यास किया।

40 लाख की लागत से बनने वाली यह सड़क वर्षों से बदहाली झेल रहे स्थानीय लोगों के लिए सुगम आवाजाही और समृद्धि के नए द्वार खोलेगी। विधायक मुजफ़्फर इकबाल खान ने आज नोलिया मुख्य सड़क (लीरन नैली) से रत्ते जब्बर डोडाज, डारहल तक लंबे समय से प्रतीक्षित लिंक रोड का शिलान्यास किया और निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। यूनियन टेरिटरी कैपेक्स, पीडब्ल्यूडी के तहत 40 लाख की अनुमानित लागत से शुरू हो रहे इस प्रोजेक्ट से इलाके में वर्षों से चली आ रही अव्यवस्था खत्म होगी और लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी, विकास और समृद्धि के अवसर मिलेंगे विधायक ने कहा कि यह सड़क स्थानीय जनता के लिए जीवन आसान बनाने और क्षेत्रीय विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग दोनों तरफ से यातायात के लिए खुला

जम्मू, 25 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बहाल है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर छोटे और बड़े वाहनों को आज राजमार्ग के दोनों तरफ से जाने की अनुमति दी गई है। जानकारी के अनुसार आज छोटे और बड़े दोनों प्रकार के वाहनों को श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार कट आफ समय के बाद किसी भी वाहन को आवाजाही की इजाजत नहीं होगी। अधिकारियों ने जाम की स्थिति से बचने के लिए वाहन चालकों को अपनी लाइन में चलने की हिदायत भी दी है।

LG कविंदर ने सुशासन दिवस पर अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धांजलि दी

लेह, 25 दिसंबर। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल, श्री कविंदर गुप्ता ने आज उपराज्यपाल सचिवालय में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी, जिसे सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने श्री वाजपेयी जी के दूरदर्शी नेतृत्व को याद किया, और कहा कि उनका कार्यकाल हमेशा राष्ट्र निर्माण, पारदर्शी शासन और जन-केंद्रित नीतियों के लिए याद किया जाएगा।

श्री कविंदर ने वाजपेयी जी से कई मौकों पर मिलने की अपनी निजी यादें साझा कीं, खासकर आपातकाल के दौरान जब उन्हें लगभग एक साल जेल में रहना पड़ा था। उन्होंने वाजपेयी जी के करिश्माई व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला, जो उनके भाषण सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करता था, और उनकी स्थायी कविता की प्रशंसा की जो आज भी लोगों को प्रेरित करती है। यह देखते हुए कि वाजपेयी जी का जन्मदिन सुशासन दिवस के साथ पड़ता है, श्री कविंदर ने इस बात पर जोर दिया कि उनके प्रधानमंत्रित्व काल को अभूतपूर्व सुधारों की शुरुआत के लिए याद किया जाता है।

पुलिस ने गोवंश तस्करी का प्रयास विफल किया; 06 गोवंश को बचाया गया; आरोपी गिरफ्तार

डोडा, 25 दिसंबर(हि.स.)। गोवंश तस्करी पर अंकुश लगाने के अपने निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए डोडा पुलिस ने छह गोवंशों को सफलतापूर्वक बचाया आरोपियों को गिरफ्तार किया और अवैध परिवहन में शामिल वाहन को जब्त कर लिया।

आज लगभग 02ः30 बजे, कलनई पुल पर तैनात पीएस ठाठरी की एक नाका पार्टी ने पंजीकरण संख्या जेके06बी-1503 वाले एक वाहन को जांच के लिए रोका। निरीक्षण के दौरान चालक की पहचान मोहम्मद हनीफ पुत्र अल्फ गुज्जर निवासी बारथल, बटोत के रूप में हुई जिसे जिला मजिस्ट्रेट, डोडा के आदेशों का उल्लंघन करते हुए अवैध रूप से छह गोवंश (चार भैंस और दो गाय) को क्रूर तरीके से कश्मीर की ओर ले जाते हुए पाया गया।

तदनुसार, पुलिस स्टेशन ठाठरी में धारा 223 बीएनएस और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला एफआईआर संख्या 76/2025 दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है वाहन जब्त कर लिया गया है और बचाए गए गोवंश को सुरक्षित हिरासत में ले लिया गया है। आगे की जांच चल रही है. पुलिस ने आरोपी का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने और वाहन की आरसी रद्द करने के लिए एआरटीओ डोडा से अनुरोध किया है।

कठुआ प्रशासन ने सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य शिक्षा अधिकारी को किया सम्मानित

कठुआ, 25 दिसंबर (हि.स.)। कठुआ जिला प्रशासन द्वारा गुरूवार को कठुआ के मुख्य शिक्षा अधिकारी राजीव अब्रोल के सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में एक विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जोकि 31 दिसंबर 2025 को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी के रूप में उनके संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान दी गई सेवाओं की सराहना की। उपायुक्त ने शैक्षणिक मानकों को सुदृढ़ करने, प्रशासनिक दक्षता में सुधार करने और विभिन्न शैक्षिक योजनाओं और पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की दिशा में राजीव अब्रोल के अथक प्रयासों की प्रशंसा की। कठुआ जिला प्रशासन की ओर से उन्होंने राजीव अब्रोल के अच्छे स्वास्थ्य, सुख और सुखद सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन की कामना की और आशा व्यक्त की कि अब वे अपने परिवार और व्यक्तिगत कार्यों के लिए पर्याप्त समय दे सकेंगे।

इस अवसर पर डीआईसी के महाप्रबंधक मुश्ताक चैधरी, अतिरिक्त उपायुक्त विश्वजीत सिंह, सहायक राजस्व आयुक्त विश्व प्रताप सिंह, सीपीओ रंजीत ठाकुर और अन्य जिला अधिकारियों ने भी संबोधित किया। उन्होंने उनकी व्यावसायिकताए कर्तव्यनिष्ठा और सौहार्दपूर्ण कार्यशैली की सराहना करते हुए उनके सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए शांतिपूर्ण और सुखद शुभकामनाएं दीं।

मुख्य शिक्षा अधिकारी राजीव अब्रोल ने अपने संबोधन में कठुआ जिला प्रशासन द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान दिए गए निरंतर समर्थनए मार्गदर्शन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने सहयोगियों और कर्मचारियों को टीम वर्क के लिए धन्यवाद दिया और सकारात्मक कार्य वातावरण की सराहना की, जिसने जिले में शिक्षा विभाग के सुचारू संचालन में सहायक भूमिका निभाई।

सांबा पुलिस ने मवेशी तस्करी का प्रयास विफल किया

सांबा, 25 दिसंबर (हि.स.)। सांबा में मवेशी तस्करों और उनके प्रचारकों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने घगवाल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में मवेशी तस्करी के एक प्रयास को सफलतापूर्वक विफल कर दिया है, दो मवेशी तस्करों को गिरफ्तार किया है और तीन मवेशियों को तस्करों के चंगुल से बचाया है। मवेशियों के अवैध परिवहन में इस्तेमाल किए गए वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर घगवाल पुलिस स्टेशन के राजपुरा पुलिस चौकी की एक टीम ने चछवाल गांव के पास पंजीकरण संख्या जेके21डी-2417 वाले टाटा योधा लोड कैरियर को रोककर उसकी जांच की। जांच के दौरान वाहन के अंदर तीन मवेशी मिले जिन्हें क्रूर तरीके से बांधा गया था और बिना किसी वैध अनुमति के अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। सभी मवेशियों को बचा लिया गया है और वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। मवेशी तस्करों की पहचान राकेश कुमार पुत्र मिल्खी राम निवासी पलुरा सांबा और तारा सिंह पुत्र जनक सिंह निवासी चचवाल सांबा के रूप में हुई है। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस स्टेशन घगवाल में एफआईआर संख्या 120 2025 धारा 223 बीएनएस और 11 पीसीए अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है

कठुआ में दो महीने के लिए वीपीएन पर प्रतिबंध लगाया गया

कठुआ, 25 दिसंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए कठुआ जिले में दो महीने के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया।

जिला मजिस्ट्रेट राजेश शर्मा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि वीपीएन सेवाओं का दुरुपयोग कुछ व्यक्तियों और समूहों द्वारा साइबर प्रतिबंधों को दरकिनार करने और प्रतिबंधित एप्लिकेशन वेबसाइटों और डिजिटल सामग्री तक पहुंच प्राप्त करने के लिए किया जा रहा है।

यह निवारक कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत की गई है। यह प्रतिबंध कठुआ जिले के क्षेत्राधिकार के भीतर संचालित सभी व्यक्तियों संस्थानों साइबर कैफे और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर लागू होता है सिवाय उनके जिन्हें सरकार द्वारा विशिष्ट आधिकारिक आदेश के माध्यम से स्पष्ट रूप से अनुमति दी गई है।

कठुआ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को आदेश का अक्षरश पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

आदेश में कहा गया है कि निर्देश का उल्लंघन करने पर संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 24 दिसंबर से तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

संसद खेल स्पर्धा के समापन समारोह पर डीसी ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए

कठुआ, 25 दिसंबर (हि.स.)। खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और जिले भर में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित खेल गतिविधियों की श्रृंखला के सफल समापन के साथ ही गुरूवार को कठुआ स्थित डीसी कार्यालय में संसद खेल स्पर्धा का समापन समारोह आयोजित किया गया।

डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने रस्साकशी, शतरंज, कबड्डी, एथलेटिक्स, कुश्ती, वॉलीबॉल और बैडमिंटन सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं के विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। उपायुक्त ने प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित उत्साह, अनुशासन और खेल भावना की सराहना की और युवाओं के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में खेलों के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर संसद खेल महोत्सव 2025 का सीधा प्रसारण भी आयोजित किया गया जिसमें प्रधानमंत्री ने देश भर के युवा खिलाड़ियों से बातचीत की। उपस्थित खिलाड़ियों ने भी सफल खिलाड़ियों की कहानियों से प्रेरणा ली जिन्होंने प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान अपनी लगन, समर्पण और उपलब्धियों की गाथा साझा की। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त विश्वजीत सिंह, मुख्य योजना अधिकारी रंजीत ठाकुर, महाप्रबंधक डीआईसी, कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस, एसीआर, एडीसी, डीवाईएसएसओ, जिला अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी उपस्थित थे।

पुलिस ने नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम (सीएपी) के तहत क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया

रामबन, 25 दिसंबर (हि.स.)। रामबन जिला पुलिस ने आज नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम सीएपी के तहत क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और स्वस्थ एवं सकारात्मक गतिविधियों में भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। रामबन जिले भर से कुल 16 टीमें इस टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं जो नॉकआउट प्रारूप में आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन मैच एफबी स्पोर्ट्स बनिहाल और खान ब्रदर्स बनिहाल के बीच खेला गया जिससे टूर्नामेंट की उत्साहपूर्ण शुरुआत हुई। उद्घाटन समारोह में 84वीं बटालियन के कमांडेंट श्री एन. रणबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे जबकि पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और वर्तमान में जेकेसीए के मुख्य चयनकर्ता समीर मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में नागरिक समाज के सदस्य सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी और पुलिस शहीदों के परिवारों के परिजनों ने भाग लिया। यह टूर्नामेंट अरुण गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है और इसकी देखरेख श्री मुजीबुर रहमान जॉकलेट पुलिस स्टेशन एसएसपी रामबन डीएसपी डीएआर रामबन कुलदीप कुमार और जिला युवा सेवा विभाग के इंस्पेक्टर संजय मनहास कर रहे हैं। जिला युवा सेवा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी इसमें शामिल हैं।

भाजपा ने वाजपेयी को याद किया, उनकी 101वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

जम्मू, 25 दिसंबर (ा.सि.)। जम्मू और कश्मीर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में पूर्व प्रधान मंत्री और भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी 101वीं जयंती पर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में बूथ स्तर पर याद किया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र, समाज और भारतीय राजनीति में उनके अद्वितीय योगदान को याद किया।

जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा के साथ महासचिव गोपाल महाजन जिला अध्यक्ष उपदेश अंडोत्रा, विधायक भारत भूषण, डीडीसी उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह बब्लू, सचिव आरती जसरोटिया,

मंडल अध्यक्ष राहुल देव शर्मा और शिव देव सिंह और अन्य वरिष्ठ नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने कठुआ में बूथ नंबर 10 पर दिग्गज नेता को पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष राहुल देव शर्मा ने किया। इसी तरह जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने हीरानगर मंडल के बूथ नंबर 40 पर अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां पार्टी कार्यकर्ता उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति आजीवन समर्पण को याद करने के लिए एकत्र हुए।

संपादकीय

अब कार्रवाई का समय है

जम्मू और कश्मीर में सड़क सुरक्षा चुपचाप सबसे गंभीर सार्वजनिक सुरक्षा चुनौतियों में से एक बन गई है, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में जानें जा रही हैं कि शायद ही कभी इस पर लगातार गुस्सा या नीतिगत बहस होती है। इसलिए, जम्मू और कश्मीर मोटर वाहन विभाग द्वारा हाल ही में चलाए गए तीन सप्ताह के विशेष प्रवर्तन अभियान को एक नियमित प्रशासनिक अभ्यास के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्र की सड़कों पर बढ़ते संकट के लिए एक आवश्यक प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

अभियान के दौरान पता चले उल्लंघनों का पैमाना बहुत परेशान करने वाला है। सैकड़ों ड्राइविंग लाइसेंस या तो निलंबित कर दिए गए या रद्द कर दिए गए, जिससे पता चलता है कि ट्रैफिक कानूनों का कितनी बार बिना किसी डर के उल्लंघन किया जाता है। ओवरस्पीडिंग, गलत साइड ड्राइविंग, बिना हेलमेट के गाड़ी चलाना, सीट बेल्ट न लगाना, अवैध पार्किंग और यहां तक कि नाबालिगों द्वारा गाड़ी चलाना जैसी अपराध आम हो गए हैं। जोखिम लेने का यह सामान्यीकरण सड़क अनुशासन और कानून के प्रति सम्मान में खतरनाक गिरावट को दर्शाता है।

व्यापक संदर्भ स्थिति को और भी अधिक चिंताजनक बनाता है। जम्मू और कश्मीर में 2020 और 2024 के बीच 28,510 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिसके परिणामस्वरूप 4,031 मौतें हुईं। ओवरस्पीडिंग दुर्घटनाओं और मौतों दोनों का सबसे बड़ा कारण बनी हुई है। ये आंकड़े जीवन के लगातार और अस्वीकार्य नुकसान को दर्शाते हैं जो साल दर साल जारी है, जो जिलों और जनसांख्यिकी को पार करता है।

सार्वजनिक परिवहन सुरक्षा, जिसे अभियान के दौरान सही ढंग से जांच के दायरे में लाया गया, विशेष ध्यान देने योग्य है। बसें हजारों यात्रियों की दैनिक आशाओं और दिनचर्या को ले जाती हैं, और ऑपरेटरों की कोई भी लापरवाही विनाशकारी परिणाम दे सकती है। इस क्षेत्र में नियमित निरीक्षण और बिना किसी समझौते के प्रवर्तन आवश्यक है, वैकल्पिक नहीं। आदतन अपराधियों और गंभीर आपराधिक और हृक्क मामलों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्णय भी उतना ही महत्वपूर्ण था। सड़क सुरक्षा को समग्र सार्वजनिक सुरक्षा से अलग नहीं किया जा सकता है; बार-बार अपराध करने वालों को पहिए के पीछे जाने देना सभी को खतरे में डालता है।

शायद सड़क सुरक्षा संकट का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि यह कितनी शांति से सामने आता है। जम्मू और कश्मीर में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली वार्षिक मौतों की संख्या आतंकवाद के कारण होने वाली मौतों से कहीं अधिक है, फिर भी इसे शायद ही कभी तुलनीय सार्वजनिक या राजनीतिक ध्यान मिलता है। प्रत्येक आँकड़ा एक खोए हुए जीवन, एक टूटे हुए परिवार और एक मिटाए गए भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है - अक्सर ऐसी त्रासदियों के लिए आवश्यक निरंतर चर्चा के बिना।

इसलिए, स्कूल परिवहन सुरक्षा पर विशेष जोर एक महत्वपूर्ण और सराहनीय उपाय है। बच्चे सबसे कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं में से हैं, और उनकी सुरक्षा एक गैर-परक्राम्य प्राथमिकता होनी चाहिए। जबकि प्रवर्तन अभियान महत्वपूर्ण हैं, वे एक बार की घटनाएँ नहीं हो सकते। इन्हें लगातार जागरूकता अभियानों, बेहतर रोड इंजीनियरिंग और नागरिक जिम्मेदारी की मज़बूत संस्कृति का समर्थन मिलना चाहिए। ट्रैफिक नियम ज़िंदगी बचाने के लिए होते हैं, न कि गाड़ी चलाने वालों को परेशान करने के लिए। हाल ही में MVD की मुहिम एक कड़ा सबक है- सड़क सुरक्षा एक सबकी ज़िम्मेदारी है, और इसे नज़रअंदाज़ करने का इंसानी नुकसान होता है जिसे जम्मू और कश्मीर अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता।

वीर बाल दिवस: दो मासूम साहिबजादों की अद्वितीय शहादत

वीर बाल दिवस (26 दिसंबर) पर विशेष

इधर परेशान छोटे बच्चे बार-बार अपनी दादी से माता-पिता और भाइयों के बारे में पूछ रहे थे। इस बीच उनका घरेलू रसोईया गंगू जो ताउम्र उनके यहां ही पलता रहा, वो भी साथ था लेकिन उसने दगा किया और करीब ही अपने घर सहेड़ी गांव ले गया और फिर सरहिंद के सूबेदार वजीर खान को इनाम के लालच में पकड़वा दिया। उसके बाद उन बच्चों तथा उनकी दादी को एक खंडहर किस्म के ठंडे बुर्ज में कैद कर दिया गया। फिर उन दोनों बच्चों को वजीर खान की अदालत में पेश करने के लिए ले जाया गया।

– रावेल पुष्प

सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी के 9 जनवरी 2022 के प्रकाश पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके दो छोटे साहिबजादों की लासानी शहादत को याद करने के लिए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया था। उसी के अनुरूप गृह मंत्रालय ने सरकारी गजट में अधिसूचना जारी की- साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह द्वारा न्याय के मार्ग पर महान वीरता और सर्वोच्च बलिदान के लिए कृतज्ञ राष्ट्र श्रद्धांजलि स्वरूप हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया करेगा।

इस तरह 26 दिसंबर 2025 को देश में वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है, जो देश के बच्चों और युवाओं को अपने देश के प्रति समर्पण और हर तरह के अन्याय के प्रतिरोध में खड़े होने को प्रेरित करेगा भले ही इसके लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग ही क्यों न करना पड़े।

वीर बाल दिवस के पीछे की कथा के लिए हमें इतिहास के झरोखे से उस दौर में झांकना पड़ेगा, जब दिल्ली के तख्त पर मुगलिया सल्तनत का शासन था।

वैसे तो सिख इतिहास ही न्याय और धार्मिक स्वतंत्रता एवं स्वाभिमान की रक्षा के लिए बलिदानों से भरा पड़ा है लेकिन जिस बलिदान की बात यहां हो रही है वो शायद दुनिया के इतिहास में लासानी ही कहा जाएगा।

आठ साल और पांच साल के बच्चों ने निडरता के साथ जुल्मी शासक के समक्ष अपने पूर्वजों की शहादत की गरिमा को बरकरार रखते हुए अपने आपको प्रस्तुत किया और शहादत दी।

गुरु नानक देव ने बाबर के आक्रमण के समय देश के नागरिकों पर हुए जुल्मों-सितम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए निडरता से कहा था-

बाबर तूं जाबर है।

सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव को जहांगीर के शासनकाल में गर्म तवे पर बिठाकर और सिर पर गर्म रेत डालते हुए शहीद कर दिया गया था। इसके बाद सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों पर हो रहे जुल्मों के प्रतिवाद और व्यक्ति की धार्मिक स्वतंत्रता को बरकरार रखने की खातिर औरंगजेब के आदेश से दिल्ली के चांदनी चौक में शहादत दी।

अब हम बात करें सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह की, जिन्होंने ऐसे जुल्मी शासकों से टक्कर लेने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों और जातियों से लेकर पांच प्यारों की शुरुआत की और वीर खालसा पंथ स्थापना की। उसके बाद मुगल सेना और कई पहाड़ी राजाओं के साथ गुरुजी की सेना के कई बार युद्ध हुए और हर बार गुरुजी बेहद कम सैनिक होने के बावजूद विजयी रहे। इसीलिए गुरुजी का ये उद्घोष सार्थक नजर आता है-

सवा लाख से एक लड़ाऊं, तबै गोबिन्द सिंह नाम कहाऊं

यानि एक-एक सिख सवा-सवा लाख से लड़ने की क्षमता रखता है।

पंजाब का आनंदपुर साहिब, जो गुरु गोविंद सिंह जी की मुख्य कर्मस्थली रही है, वहीं उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से पांच किलों का निर्माण कराया था। सन 1700 के समय वहां हुई पहली जंग में मुगल सेना ने जीत न पाने के कारण गुरुजी के साथ संधि कर ली थी लेकिन फिर 1702 में एक बड़ी फौज के साथ हमला कर दिया और यह भी लंबा चला। उसके बाद मुगल सेना ने फिर एक संधि की और कसम खाई कि आप यह किला छोड़ कर यहां से चले जाएं और कोई हमला नहीं किया जाएगा।

आनंदपुर साहिब का किला छोड़ते समय जो वादा मुगलों और पहाड़ी राजाओं के साथ हुआ था कि अब किसी पर कोई हमला नहीं करेगा, लेकिन जब गुरु गोबिंद सिंह अपने परिवार और सिख योद्धाओं को लेकर सिरसा नदी के किनारे तक पहुंचे ही थे, तभी सारी कसमें भुलाकर पीछे से उन लोगों ने इनके काफ़िले पर हमला कर दिया।

वहां गुरुजी ने शत्रुओं को ललकारा, जिसे सूफ़ी शायर हकीम अल्ला यार खां जोगी ने बड़े खूबसूरत अंदाज से बयान किया है-

देखा ज्योंही हुजूर ने, दुश्मन सिमट गए,
बढ़ने की जगह खौफ से, नामर्द हट गए,
घोड़े को एड़ी दे के गुरु रण में डट गए,
फ़रमाए बुजदिलों से कि तुम क्यों पलट गए,
अब आओ रण में, जंग के अरमां निकाल लो
तुम, कर चुके हो वार, हमारा संभाल लो।

जब सारा काफ़िला सिरसा नदी के पास था तब उस नदी में भीषण बाढ़ आई हुई थी और आंधी-तूफान भी था। इसी में गुरुजी की माता गुजरी और उनके साथ दो छोटे बेटे जोरावर और फतेह सिंह बिछड़ गए। उसके बाद लाख तलाश करने के बाद भी नहीं मिले।

इस दौरान दो बड़े बेटों और दूसरे साथियों के साथ गुरुजी को तो चमकौर में युद्ध करना पड़ा, जहां दोनों बड़े साहिबजादे अजीत सिंह और जुझारू सिंह बड़ी बहादुरी से युद्ध करते हुए शहीद हो गए।

इधर परेशान छोटे बच्चे बार-बार अपनी दादी से माता-पिता और भाइयों के बारे में पूछ रहे थे। इस बीच उनका घरेलू रसोईया गंगू जो ताउम्र उनके यहां ही पलता रहा, वो भी साथ था लेकिन उसने दगा किया और करीब ही अपने घर सहेड़ी गांव ले गया और फिर सरहिंद के सूबेदार वजीर खान को इनाम के लालच में पकड़वा दिया। उसके बाद उन बच्चों तथा उनकी दादी को एक खंडहर किस्म के ठंडे बुर्ज में कैद कर दिया गया। फिर उन दोनों बच्चों को वजीर खान की अदालत में पेश करने के? लिए ले जाया गया।

उन बच्चों को अदालत ले जाने से पहले उनकी दादी ने उन्हें उनके पूर्वजों और दादा गुरु तेग बहादुर की शहादत के बारे में बताते हुए ये ताकीद की थी कि आततायियों के सामने कभी सिर नहीं झुकाना और अपने गौरवशाली इतिहास को धूमिल मत होने देना।

उन छोटे साहिबजादों को जब कचहरी ले जाया जा रहा था तो वहां का बड़ा दरवाजा बंद कर दिया गया था और बिल्कुल छोटा खिड़कीनुमा दरवाजा खुला रखा गया था ताकि वहां जाते हुए छोटे साहबजादे झुक कर ही अंदर प्रवेश करें। लेकिन साहबजादों ने सबसे पहले अपने पैर अंदर किए और फिर तन कर खड़े हो गए और उन्होंने जोर से जयकारा लगाया-

वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फ़तेह।

उनकी बुलंद आवाज सुनकर मानो कचहरी की दरो-दीवार कांप उठे। वजीर खान की आंखों में लहू उतर आया। उसने छोटे साहबजादों को कई तरह के लालच दिये और अपना धर्म त्याग कर इस्लाम स्वीकार करने को कहा। छोटे साहबजादों ने साफ़ मना कर दिया। वजीर खान ने तब काजी से फतवा सुनाने के लिए कहा। काजी ने फतवा दिया कि इनकी उम्र बहुत छोटी है और कुरान मजीद के अनुसार इन बच्चों को नहीं मारा जा सकता।

फिर वजीर खान ने उन दोनों को दरबार में उपस्थित मलेरकोटला के नवाब शेर मोहम्मद खान को सुपुर्द करते हुए कहा कि तुम्हारे लिए ये बड़ा अच्छा मौका है, अपने भाई और भतीजे की मौत का बदला ले सकते हो। शेर मोहम्मद खान ने साफ़ कहा कि मेरी लड़ाई गुरु गोविंद सिंह जी के साथ अवश्य है लेकिन मैं इन मासूम बच्चों पर जुल्म नहीं ढा सकता। ये कोई बहादुरी की बात नहीं। मलेरकोटला के नवाब की यह बात सुनने के बाद वहां उपस्थित वजीर खान भयंकर गुस्से में आ गया और उसने क्रोधित होकर काजी को कहा- मैंने तुम्हें फतवा देने को कहा है ये दोषी हैं। तब काजी ने नया फतवा दिया कि इन बच्चों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया जाए! उसी आदेश के अनुसार उस ठंडे बुर्ज से जब सैनिक लेकर जाने लगे थे, उससे पहले दादी माता गुजरी का दर्द शायर ने कुछ यूं बयान किया है - जाने से पहले आओ, गले से लगा तो लूं

केशों को कंघी कर दूं, जरा मुंह धुला तो लूं

प्यारे, सिरों पे नन्ही-सी कलगी सजा तो लूं,

मरने से पहले तुमको दूल्हा बना तो लूं।

क्रूर जल्लादों ने उन दो मासूम असहाय निर्दोष बच्चों को दीवार में जिंदा चिनना शुरू कर दिया। जब दीवार छोटे साहबजादे को पूरा ढंकने लगी तो बड़े साहेबजादे की आंखों में आंसू आ गए। ये देखकर छोटे ने कहा- वीर जी, आपकी आंखों में आंसू? क्या आप डर गये हो? तो उसने जवाब दिया कि बड़ा मैं हूं और मुझसे पहले शहीद तुम हो रहे हो। यह सुनकर छोटे साहबजादे ने अपना एक हाथ ऊंचा कर दिया और कहा कि लो वीर जी, पहले शहादत का हक तुम्हारा ही बनता है। और फिर उन दोनों साहिबजादों की शहादत हो गई।

यह समाचार सुनकर बुजुर्ग दादी ने भी अपना शरीर त्याग दिया।

अल्ला यार खां योगी इस सरहिंद की दर्दनाक घटना को सिख राज्य की नींव के रूप में भी देखता है और छोटे साहिबजादों की ओर से कुछ यूं बयान करता है- हम जान दे के औरों की जानें बचा चले,

सिक्खी की नींव हम हैं सिरों पर उठा चले,

गुरुआई का है किस्सा जहां में बना चले,

सिंघो की सल्तनत का है पौधा, लगा चले

गुरु गोबिंद सिंह के। उन दोनों मासूम लेकिन दृढ़ निश्चयी, अपने निश्चय पर अटल रहने वाले महज नौ साल के साहिबजादे जोरावर सिंह और छह साल के फ़तेह सिंह की 26 दिसंबर 1705 को दी गई लासानी शहादत दुनिया के इतिहास में अद्वितीय है।इसलिए देश का कृतज्ञ होना और इसे वीर बाल दिवस के रूप में स्मृतियों में संजो कर रखना सच्चे अर्थों में श्रद्धांजलि तो है ही, इस बात की सीख भी है कि हर एक की अपनी आस्था और विश्वास है, उसे उसी रूप में हमें स्वीकार और सम्मान देना चाहिए। तभी हम राष्ट्रीय गौरव को अक्षुण्ण बनाए रख सकेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

ठाकरे बंधुओं की एकता का महाराष्ट्र की राजनीति पर असर

–विकास सक्सेना

तकरीबन दो दशक की राजनैतिक रस्साकशी के बाद आखिरकार ठाकरे बंधुओं ने एकजुट होकर महाराष्ट्र की राजनीति में जोर आजमाने का ऐलान किया है। शिवसेना से अलग होकर अपनी नई पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) बनाने वाले राज ठाकरे तमाम कोशिशों के बावजूद अपनी कोई राजनैतिक हैसियत बनाने में नाकाम रहे तो महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की चाह में भाजपा से गठबंधन तोड़ वैचारिक प्रतिद्वंदियों के खेमे में गए उद्धव ठाकरे के पास न तो शिवसेना बची है और न ही हिन्दुत्व का भगवा ध्वज लहराने वाले शिवसैनिक। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद अब नगर निकाय के चुनाव में भी शिवसेना (उद्धव) की दुर्गति ने ठाकरे परिवार के राजनैतिक अस्तित्व पर गहरे प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। अब अगर ठाकरे की पार्टी की जीवनरेखा कही जाने वाले बृहन्मुम्बई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव में भी उनका प्रदर्शन खराब रहता है तो उन्हें अपना राजनैतिक भविष्य बचा पाना दुश्कर हो जाएगा।

बीएमसी चुनाव से ठीक पहले ठाकरे बंधुओं का एक मंच पर आकर एकजुटता का ऐलान करना कुछ लोगों को उत्साहित कर रहा है तो एक बड़ा वर्ग उन लोगों का भी है जिनका मानना है कि महाराष्ट्र की राजनीति में हाशिए पर पहुंच चुके ठाकरे बंधुओं के सियासी गठबंधन का कोई खास राजनैतिक असर नहीं होगा। मराठा राजनीति पर इस नए गठजोड़ के असर का वास्तविक आकलन करने के लिए बाला साहेब ठाकरे की शिवसेना से लेकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उसके शिवसैनिकों की मन :स्थिति को समझना होगा। साथ ही महाराष्ट्र की राजनीति में भाजपा के क्रमिक उभार को भी सामने रखना होगा तभी ठाकरे बंधुओं की एकजुटता का महाराष्ट्र की भावी राजनीति पर पड़ने वाले असर को समझा जा सकता है।

भाजपा और शिवसेना के बीच राजनैतिक समझौते का दौर वर्ष 1984 से शुरू हुआ तब शिवसेना उम्मीदवार भाजपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव मैदान में उतरे थे। इसके बाद साल 1989 का विधानसभा चुनाव भाजपा और शिवसेना में मिलकर लड़ा जिसका दोनों दलों को लाभ हुआ। इसी तरह का लाभ उन्हें साल 1995 के विधानसभा चुनाव में भी हुआ और शिवसेना-भाजपा गठबंधन ने महाराष्ट्र में सरकार बनाने में कामयाबी हासिल कर ली। इसके बावजूद महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना का गठबंधन सहज नहीं रहा। दोनों दल मौका मिलते ही एक-दूसरे के खिलाफ न सिर्फ बयानबाजी करते बल्कि चुनावों में भी खुले तौर पर आपस में टकराते दिखाई दिए।

इसका सबसे बड़ा कारण महाराष्ट्र की राजनीति में भाजपा का सतत उभार था।

भाजपा और शिवसेना दोनों ही दलों की राजनीति का आधार हिन्दुत्व है, ऐसे में शिवसेना के नेता भाजपा के बढ़ते कद को अपनी राजनीति के लिए सबसे बड़ा खतरा मानते रहे थे। साल 2014 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव दोनों दलों ने अलग-अलग लड़ा हालांकि बाद में शिवसेना सरकार में शामिल हो गई लेकिन कटुता लगातार बनी रही। नतीजतन साल 2018 में उद्धव ने भाजपा से अलग चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया, बाद में समझौता होने पर दोनों दलों ने मिलकर साल 2019 का विधानसभा चुनाव लड़ा।

महाराष्ट्र की राजनीति के जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी मजबूत करने के लिए भाजपा से अधिक सीटें जीतने की चाह में उद्धव ठाकरे ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार से अंदरखाने हाथ मिला लिया और कई सीटों पर भाजपा को नुकसान भी पहुंचाया। इसके बावजूद जब चुनाव नतीजे आए तो भाजपा 105 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी रही जबकि शिवसेना 56, एनसीपी 54 और कांग्रेस 44 सीटों पर ही कामयाबी हासिल कर पाई। उद्धव ठाकरे और शरद पवार के गुप्त समझौते का इतना असर जरूर हुआ कि 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में भाजपा बहुमत के जादुई आंकड़े 145 से काफी दूर रह गई।

महाराष्ट्र में 'किंग मेकर' की भूमिका से हटकर खुद 'किंग' बनने को लालायित उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनने की जिद पर अड़ गए। इधर, महाराष्ट्र की राजनीति में लगातार आधार खोते जा रहे शरद पवार ने इस मौके का फायदा उठाने में कोई चूक नहीं की। उन्होंने हिन्दुत्व की राजनीति करने वाली भाजपा और शिवसेना के बीच दरार को चौड़ा करके भविष्य का राजनैतिक पथ निष्कंटक बनाने का भरोसा देकर कांग्रेस को भी विश्वास में ले लिया। मुख्यमंत्री बनने की चाह में पिता बाला साहेब ठाकरे की वैचारिक विरासत को दरकिनार कर उद्धव ठाकरे कांग्रेस और एनसीपी के साथ महागठबंधन में शामिल हो गए। कुर्सी पर बने रहने के लिए राममंदिर, अनुच्छेद 370 जैसे हिन्दुत्व के कोर मुद्दों पर भी वह एनसीपी और कांग्रेस की छद्म पंथनिरपेक्ष राजनीति के साथ ही खड़े नजर आए। जिसके चलते कट्टर हिन्दुत्व की विचारधारा वाले शिवसैनिकों में लगातार असंतोष बढ़ता गया और अंतत: एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में उन्होंने विद्रोह कर दिया। तब से हिन्दुत्व की विचारधारा वाली शिवसेना का नेतृत्व एकनाथ शिंदे के पास है जबकि उद्धव ठाकरे एक नया दल शिवसेना (यूबीटी) बनाकर सेक्यूलर राजनीति कर रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर संकट

–पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

साल 1947 में भारत के बंटवारे के बाद बने पाकिस्तान में आगे और बंटवारे की संभावना दिख रही थी।कई जानकारों ने इसे एक भौगोलिक गड़बड़ी, मीलों दूर दो अलग-अलग इलाकों का एक ढीला-ढाला मेल बताया था। मुस्लिम बहुमत के अलावा पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान; जिसे अब बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है, उसमें बहुत कम समानता थी।

साल 1971 के युद्ध के पीछे पाकिस्तान की नेशनल आर्मी के सैनिक स्थानीय बंगाली आबादी के साथ बलात्कार, मारपीट और दूसरे अपराध थे, जिससे तंग लोग भारत भाग गए। इतने बड़े पैमाने पर पलायन और अमानवीय गतिविधियों को देखते हुए भारत सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान को पाकिस्तानी शासन से आज़ाद कराकर नया देश बनाने का फैसला किया।

मुख्य संघर्ष के दौरान भारत द्वारा प्रशिक्षित बांग्ला मुक्ति वाहिनी ने खुफिया जानकारी इकट्ठा की और कुछ इलाकों में पाकिस्तान से सप्लाई बंद करने में मदद की। भारतीय सेना ने ज़्यादातर सैनिक ट्रेनिंग, उपकरण और मैनपावर सप्लाई की। युद्ध की आधिकारिक शुरुआत से बहुत पहले भारतीय सेना, मुक्ति फौज से मिलकर लड़ रही थी। पहली झड़प 01 जुलाई 1971 में हुई जब 57 आर्टिलरी ब्रिगेड ने कर्नल पीके गौतम के ऑपरेशन बांग्लादेश के तहत आतग्राम और चग्राम में पाकिस्तानी ठिकानों को नष्ट कर दिया। ऐसी मुठभेड़ें दिसंबर तक जारी रहीं, जिसके दौरान मुक्ति वाहिनी ने गुरिल्ला युद्ध, तोड़फोड़ और खुफिया जानकारी इकट्ठा करने का काम किया। हालांकि वे सीधे मुकाबले में भारतीय सेना पर निर्भर थे क्योंकि वे सीधे मुकाबले में कमज़ोर लड़ाके थे।

दिसंबर 1971 में भारत ने 3900 सैनिक खो दिए।

पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद भारत ने उन्हें घर लौटने में मदद की, ट्रांसपोर्टेशन दिया और सड़कों एवं पुलों की मरम्मत में सहायता की। भारत ने बांग्लादेश को जो लगभग 232 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता का वादा किया था, वह दे दिया गया। साल 1972 में बांग्लादेश को खाद्यान्न मदद का सबसे बड़ा हिस्सा भारत का था। भारत-बांग्लादेश व्यापार समझौते से बांग्लादेश को बहुत फायदा हुआ। 28 मार्च 1972 को 5 करोड़ रुपये की ब्याज़ मुक्त स्विंग लिमिट के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इससे बांग्लादेश को कोयला और अन्य ज़रूरी सामान और संसाधन खरीदने की अनुमति मिली।

भारत में लाखों बांग्लादेशी प्रवासियों का स्वागत किया गया और देश के आम नागरिकों ने स्वेच्छा से वित्तीय बोझ साझा किए। देश के नागरिकों ने पूर्वी पाकिस्तानी प्रतिरोध बलों का ज़ोरदार समर्थन किया और एक युद्ध कर लगाया गया। हालांकि पाकिस्तानी सेना के लगातार अत्याचारों के कारण स्थिति और खराब होने की आशंका थी इसलिए भारत को आखिरकार सैन्य हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा। असल में भारत ने अमेरिका को नाराज़ करने का भी खतरा मोल लिया जो एक सुपरपावर था और याह्या खान की तानाशाही का खुलेआम समर्थन कर रहा था।

भारतीय लोगों ने शरणार्थियों की बाढ़ और उसके बाद हुए संघर्ष का भारी वित्तीय बोझ उठाया, यह दूसरे देशों के लोगों की दुर्दशा के प्रति भारत की दृढ़ता और करुणा का सबूत है। भारत ने 1971 का युद्ध किसी साम्राज्यवादी सपने या किसी खास राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने के लिए नहीं लड़ा था। भगवान राम ने हजारों साल पहले रावण को लंका पर कब्ज़ा करने के लिए नहीं बल्कि नैतिकता और धर्म का शासन फिर से स्थापित करने के लिए हराया था। अपनी जीत के बाद राम ने लंका उसके निवासियों और राजा विभीषण को वापस सौंप दी थी। इसी तरह भारत ने कट्टर राष्ट्रवाद, सांप्रदायिकता और नरसंहार के खिलाफ युद्ध लड़े। हम सिर्फ हथियारों से ही नहीं बल्कि करुणा और दूसरों के साथ एकता जैसे ऊँचे विचारों से भी जीते।

सवाल यह है किअच्छे और बुरे दोनों समय में बांग्लादेश में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद हिंदुओं को क्यों सताया जा रहा है। हाल के वर्षों में कई बांग्लादेशियों के बीच धार्मिक पहचान ज़्यादा आम हो गई है और कई लोग नैतिक और भाषाई हैंगओवर से थक चुके हैं। अगर मजहब कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाता है तो आप बस उस देश का समर्थन नहीं कर सकते जिसने कुछ दशक पहले ही आपके देश में सबसे भयानक नरसंहारों में से एक किया था। आपको भारत जैसे देश से खुलेआम नफ़रत करने के लिए क्या प्रेरित करता है, जिसने आपको आज़ादी दिलाने में मदद की और आपकी संप्रभुता को मान्यता देने वाले पहले कुछ देशों में से एक था। साल 2024 के विद्रोह के बाद बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन हुआ, जिसने न केवल देश के आंतरिक राजनीतिक माहौल को बिगाड़ा बल्कि इसके आसपास के क्षेत्र में भी रणनीतिक बदलाव किए। इसके अलावा चरमपंथी यूनुस के अंतरिम प्रशासन के तहत पूरे देश में कट्टरपंथ और धार्मिक उग्रवाद में चिंताजनक वृद्धि हुई है।बांग्लादेश में पिछले साल से कट्टरपंथी संगठन और विचारधाराएँ ज़्यादा प्रचलित हो गई हैं। उदाहरण के लिए जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश जैसे कट्टरपंथी संगठनों को यूनुस प्रशासन के तहत पिछले प्रशासन की तुलना में ज़्यादा जगह मिली है।ये समूह अब सार्वजनिक तौर पर हिंदू विरोधी बातचीत और सड़कों पर ज़्यादा दिखाई देते हैं। मस्जिदों और धार्मिक स्कूलों के ज़रिए इस्लामी समूहों ने आबादी के एक बड़े हिस्से, खासकर युवाओं को कट्टरपंथी बनाया है। देश में बढ़ते कट्टरपंथ के कारण बांग्लादेश में अल्पसंख्यक, खासकर हिंदू ज़्यादा खतरनाक स्थिति में हैं। दुख की बात है कि बांग्लादेश में हिंदुओं की संपत्ति, निजता और जीवन असुरक्षित हैं।ऐसे जघन्य कृत्यों को या तो राज्य द्वारा नज़रअंदाज़ किया जाता है या उसे बढ़ावा दिया जाता है।अमानवीय इस्लामी क्रूरता के अधिकांश शिकार महिलाएँ और बच्चे हैं। बांग्लादेश और पाकिस्तान, दोनों में हिंदू आबादी में तेज़ी से गिरावट आई है। उन देशों में रहने वाले हिंदुओं के लिए मानवाधिकार अभी भी दिवास्वप्न है।मूर्तियों और मंदिरों को अक्सर अपवित्र किया जाता है या नष्ट कर दिया जाता है और उनके धार्मिक विश्वास को निशाना बनाया जाता है। इन देशों के नेताओं द्वारा इस्लाम में धर्मांतरण ही एकमात्र रास्ता बताया जाता है। यह 1922 और 1946 में भी लागू था। लक्षित हमलों, भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और सांप्रदायिक हिंसा के कारण डर और असुरक्षा का माहौल बन गया है। आवासीय घरों पर हमला किया गया है, पूजास्थलों को तोड़ा गया है और संपत्ति नष्ट की गई है। अल्पसंख्यकों को किसी आपराधिक गतिविधि के बजाय उनकी पहचान के कारण निशाना बनाया जा रहा है।ऐसी हिंसा सरकार पर लोगों का भरोसा कम करती है और यह संदेश देती है कि इंसानियत से ज़्यादा इस्लामिक धार्मिक कट्टरता ज़रूरी है।

पिछले कुछ महीनों में भीड़ द्वारा उत्पीड़न और लिंचिंग की कई घटनाएँ सामने आई हैं जो हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी का संकेत देती हैं। ऐसी ही एक घटना में चंद्रदास नाम के 25 साल के एक हिंदू दलित व्यक्ति को कथित तौर पर ईशनिंदा के झूठे आरोप में बर्बर तरीके से जलाकर मार डाला गया।हालाँकि सांप्रदायिक हमलों में मुख्य रूप से हिंदुओं को निशाना बनाया गया है लेकिन हिंदू ही हिंसा के एकमात्र शिकार नहीं हैं।चटगाँव में दो ईसाई लड़कियों पर कथित तौर पर हिजाब नहीं पहनने के कारण सार्वजनिक रूप से हमला किया गया। इन हमलों के अलावा अल्पसंख्यकों को धर्म बदलने या देश छोड़ने की धमकियाँ भी मिल रही हैं जो असहिष्णुता, ज़बरदस्ती और धार्मिक कट्टरता में चिंताजनक बढ़ोतरी का संकेत है। चंद्र दास की हत्या कोई अकेली घटना नहीं है बल्कि यह एक बड़े ट्रेंड का हिस्सा है जिसमें ईशनिंदा के दावों का इस्तेमाल भीड़ की हिंसा को सही ठहराने और विरोध की आवाज़ को दबाने के लिए किया जा रहा है। ऐसी क्रूरताएँ अराजकता को बढ़ावा देती हैं और अल्पसंख्यकों में डर पैदा करती हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो सामाजिक एकता और कमज़ोर होगी और बांग्लादेश बहुत ज़्यादा अस्थिर हो जाएगा। जमात-ए-इस्लामी की वापसी इस तरह के सांप्रदायिक संघर्ष का एक बड़ा कारण है। हसीना प्रशासन के तहत जेल में बंद किए गए इस समूह के नेताओं को यूनुस प्रशासन ने आज़ाद कर दिया है। वे आज़ादी से घूम रहे हैं और सार्वजनिक रूप से भारत और अल्पसंख्यक हिंदुओं को धमकियां दे रहे हैं। अलकायदा से प्रेरित समूह अंसारुल्लाह बांग्ला टीम जिसे अब अंसार-अल-इस्लाम के नाम से जाना जाता है, उसके नेता मुफ्ती जशीमुद्दीन रहमानी ने हाल ही में भारत विरोधी ज़बरदस्त भाषण दिया जो इस खतरनाक ट्रेंड को दिखाता है। यूनुस सरकार ने पिछले साल रहमानी को भी रिहा कर दिया था जिससे चरमपंथी ताकतों के मज़बूत होने, धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए जगह कम होने और क्षेत्र की स्थिरता के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा हुई हैं। हसीना ने एक न्यूज़ आउटलेट के साथ ईमेल बातचीत में दावा किया कि हालिया तनाव जानबूझकर पैदा किया गया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यूनुस ने ऐसे लोगों को सत्ता के पदों पर बिठाया है और उन आतंकवादियों को रिहा किया है जो दोषी साबित हो चुके थे। उन्होंने यह भी कहा कि अपने राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर नई दिल्ली की चिंताएँ जायज़ हैं। बांग्लादेश उस पाकिस्तान के करीब हो रहा है जो अपनी आंतरिक अशांति और उग्रवाद के लिए बदनाम है। बांग्लादेश में भारत और हिंदुओं के प्रति विरोध बढ़ रहा है, कट्टरवाद सिर उठा रहा है और अल्पसंख्यकों पर हमले जारी हैं। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लिवरपूल के खिलाफ रेड कार्ड के बाद टॉटेनहम कप्तान रोमेरो पर लग सकता है लंबा प्रतिबंध

एजेंसी

लंदन। टॉटेनहम हॉटस्पर के कप्तान क्रिस्टियन रोमेरो पर लिवरपूल के खिलाफ मैच में रेड कार्ड मिलने के बाद लंबा प्रतिबंध लग सकता है। इंग्लैंड की फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने उन पर मैदान छोड़ने में देरी करने और रेफरी के प्रति 'आक्रामक' रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए औपचारिक चार्ज लगाया है। पिछले शनिवार को खेले गए प्रीमियर लीग मुकाबले में टॉटेनहम को लिवरपूल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में रोमेरो को लिवरपूल के डिफेंडर इब्राहिमा कोनाटे को किक मारने के लिए दूसरा येलो कार्ड दिखाया गया, जिसके बाद रेफरी जॉन ब्रूक्स ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। रोमेरो के आउट होने से स्पर्स की स्थिति और खराब हो गई, क्योंकि इससे पहले ही पहले हाफ में ज़ावी सिमंस को गंभीर फाउल प्ले के लिए रेड कार्ड दिखाया जा चुका था और टीम नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही थी। अर्जेंटीना के सेंटर-बैक रोमेरो को इससे पहले लिवरपूल के दूसरे गोल के दौरान ह्यूगो एकिटीके द्वारा कथित धक्का दिए जाने पर विरोध जताने के लिए येलो कार्ड मिला था। नियमों के अनुसार एक ही मैच में दो येलो कार्ड मिलने पर वह स्वतः ही रेड कार्ड में बदल जाता है।

सिंधु बनीं बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन, काउंसिल की भी होंगी सदस्य

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय शटलर पी.वी. सिंधु को 2026-29 कार्यकाल के लिए बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) की एथलीट्स कमीशन का चेयरपर्सन चुना गया है। इस भूमिका के साथ ही सिंधु बीडब्ल्यूएफ काउंसिल की सदस्य के रूप में भी सेवाएं देंगी, जिससे विश्व बैडमिंटन की नीतियों और प्रशासन में खिलाड़ियों की आवाज और मजबूत होगी। इसके अलावा, हांगकांग चीन के चान हो यूएन डैनियल को पैरा बैडमिंटन एथलीट्स कमीशन का चेयर चुना गया है। सिंधु वर्ष 2017 से बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की सदस्य रही हैं और 2020 से बीडब्ल्यूएफ इंटीग्रिटी एंबेसडर की भूमिका भी निभा रही हैं। 2019 की विश्व चैंपियन सिंधु अपने लंबे अनुभव और प्रभावशाली व्यक्तित्व के साथ इस अहम जिम्मेदारी को संभालेंगी। 'मैं इस भूमिका को गहरी जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ स्वीकार करती हूं। एथलीट्स कमीशन की चेयर के रूप में मेरा फोकस यह सुनिश्चित करना होगा कि खिलाड़ियों की आवाज हर स्तर पर साफ, निरंतर और सम्मान के साथ सुनी जाए। मैं इस भूमिका को खिलाड़ियों और प्रशासन के बीच एक सेतु के रूप में देखती हूं। साथी खिलाड़ियों द्वारा मुझ पर जताया गया भरोसा मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं पूर्व चेयर ग्रेसिया पोलो को उनके शानदार कार्य के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।'

बॉक्सिंग डे टेस्ट में चार तेज गेंदबाज़ों के साथ उतरेगा ऑस्ट्रेलिया, स्मिथ करेंगे कप्तानी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई टीम बॉक्सिंग डे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ ऑल-पेस आक्रमण के साथ उतरने की तैयारी में है। स्टैंड-इन कप्तान स्टीव स्मिथ ने पुष्टि की है कि टीम चार विशेषज्ञ तेज गेंदबाज़ों के साथ खेलेगी, हालांकि अंतिम एकादश पर फैसला मैच से पहले पिच देखने के बाद ही किया जाएगा।स्मिथ ने बताया कि चयनकर्ता मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) की पिच को लेकर सतर्क हैं, जिस पर लगभग 10 मिमी घास है और सतह 'काफी हरी और फर्म' नज़र आ रही है। ऐसे में ब्रेंडन डॉगेट, माइकल नेसर और लंबे समय बाद टेस्ट टीम में लौटे झाय रिचर्डसन में से अंतिम दो स्थानों के लिए चयन किया जाएगा। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी संभाल रहे स्टीव स्मिथ खुद भी अंदरूनी कान (इनर-ईयर) की समस्या से उबरकर टीम में लौटे हैं। उनकी वापसी के चलते विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस को अंतिम एकादश से बाहर होना पड़ा। वहीं, एडिलेड टेस्ट में 82 और 40 रन की पारियां खेलकर उस्मान ख्वाजा ने अपनी जगह बरकरार रखी है। यह सीरीज में दूसरा बार होगा जब ऑस्ट्रेलिया चार तेज गेंदबाज़ों के साथ खेलेगा। इससे पहले ब्रिस्बेन में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में भी ऐसा किया गया था, जहां माइकल नेसर ने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए थे। यदि नेसर को मौका मिलता है तो यह उनका पहला रेड-बॉल टेस्ट होगा, क्योंकि उनके अब तक के तीनों टेस्ट पिंक-बॉल से खेले गए हैं।

आईजीपीएल इनविटेशनल श्रीलंका: आखिरी होल पर बर्डी कर आर्यन आनंद शीर्ष पर कायम, दिग्गजों और युवा सितारों की कड़ी चुनौती

कोलंबो। आईजीपीएल टूर के पहले सत्र के अंतिम टूर्नामेंट, आईजीपीएल इनविटेशनल श्रीलंका में मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया है। दूसरे दिन उतार-चढ़ाव भरे खेल के बावजूद आर्यन रूपा आनंद ने शानदार वापसी करते हुए अंतिम होल पर बर्डी लगाई और 11-अंडर पार के कुल स्कोर के साथ बढ़त बनाए रखी। दिन की शुरुआत में आर्यन ने पहले चार होल में दो बोगी गंवाई, लेकिन इसके बाद उन्होंने धैर्य और संयम दिखाया। सातवें, 12वें, 15वें और 18वें होल पर बर्डी लगाकर उन्होंने 2-अंडर 69 का कार्ड खेला और लगातार दूसरे दिन लीड बरकरार रखी। स्थानीय 17 वर्षीय गोल्फर काया दलुवाट्टे और भारत के अनुभवी खिलाड़ी एसएसपी चावरासिया 10-अंडर पार के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। काया ने शानदार खेल दिखाया, हालांकि 17वें होल पर ट्रिपल बोगी ने उन्हें अकेली बढ़त से दूर कर दिया। वहीं, चार बार डीपी वर्ल्ड टूर जीत चुके चावरासिया ने 66 का मजबूत राउंड खेला और खिताबी दौड़ में खुद को बनाए रखा।

ब्रूनो फर्नांडिस न्यूकैसल के खिलाफ मुकाबले से बाहर, अमोरिम ने की पुष्टि

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर रूबेन अमोरिम ने पुष्टि की है कि टीम के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस और युवा मिडफील्डर कोबी मैनू शुक्रवार को न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले प्रीमियर लीग मुकाबले में उपलब्ध नहीं होंगे। हालांकि, अमोरिम ने दोनों खिलाड़ियों की चोट को लेकर ज्यादा चिंता की बात नहीं बताई। ब्रूनो फर्नांडिस को एस्टन विला के खिलाफ रविवार को मिली हार के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। मैच के दौरान वह दर्द में नजर आए थे और सॉफ्ट टिश्यू इंजरी के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। उस समय अमोरिम ने आशंका जताई थी कि उनके कप्तान को कुछ समय के लिए बाहर रहना पड़ सकता है। हालांकि, बॉक्सिंग डे से पहले होने वाले प्रीमियर लीग के एकमात्र मुकाबले से पूर्व अमोरिम ने फर्नांडिस

और कोबी मैनू की चोट को लेकर अपने रुख में नरमी दिखाई। मैनू को पिंडली (काफ) में चोट लगी थी, जिसके चलते वह एस्टन विला के खिलाफ मैच नहीं खेल पाए थे।

मीडिया से बात करते हुए अमोरिम ने कहा, 'इस मैच के लिए नहीं। दोनों रिकवरी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि इसमें ज्यादा समय लगेगा। कोबी, ब्रूनो से पहले वापसी कर सकता है।' जब उनसे ब्रूनो फर्नांडिस की वापसी को लेकर संभावित समयसीमा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं कोई निश्चित समय नहीं बताना चाहता। मेरे दिमाग में एक अंदाजा है, लेकिन देखते हैं।' 31 वर्षीय पुर्तगाली मिडफील्डर इस सीजन प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए हर मैच में शुरुआती एकादश का हिस्सा रहे हैं और वह लीग के सबसे रचनात्मक खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने अब तक 51 मौके बनाए हैं, जबकि मैनचेस्टर सिटी के जेरेमी डोकू 40 से भी कम मौके बना पाए हैं। यूनाइटेड ने उन सात मैचों में से छह गंवाए हैं और एक ड्रॉ खेला है, जिनमें ब्रूनो फर्नांडिस ने शुरुआत नहीं की।

अमोरिम ने कहा, 'अगर इसमें कोई सकारात्मक बात है तो वह यह कि अब बाकी खिलाड़ियों को आगे आना होगा और यह समझना होगा कि हम हर चीज के लिए सिर्फ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रह सकते। मुझे भरोसा है कि हम किसी भी मुकाबले को जीत सकते हैं।'

'हार से दबाव बढ़ता है', स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के प्रति जताई हमदर्दी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने निराशाजनक रूप से एशेज सीरीज गंवाने के बाद आलोचना का शिकार हो रही इंग्लैंड क्रिकेट टीम के प्रति हमदर्दी जताई है। स्मिथ ने कहा कि मुझे पता है कि हार के बाद दबाव की स्थिति कैसी होती है। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'जब आप हार रहे होते हैं, तो स्पॉटलाइट हमेशा आप पर होती है और चीजों के बारे में बात हो सकती है। उन्हें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताया जा सकता है। मुझे एक तरह से उनके लिए बुरा लग रहा है। यह मुश्किल हो सकता है। आप एक ऐसे देश में हैं जहां आप जानते हैं कि आप बाहर जाकर मजे कर सकते हैं। आपको उस देश का भी अनुभव करना होता है जहां आप हैं। उन्हें बीच में काफी बड़ा ब्रेक मिला था, लेकिन दबाव की वजह से वह ऐसा नहीं कर पाए।' इंग्लैंड क्रिकेट टीम लगातार तीन टेस्ट हारने के अलावा कई खिलाड़ियों के अधिक शराब पीने की वजह से भी चर्चा में है। इस विषय पर स्मिथ ने कहा, 'मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकता कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं या वे चीजों को कैसे कर रहे हैं, लेकिन हां, मेरा निश्चित रूप से मानना है कि जब आप दो टेस्ट मैच हार जाते हैं, और आपको इतना लंबा ब्रेक मिलता है, तो कभी-कभी आपको गेम से दूर होकर पूरी तरह से स्विच ऑफ करने की जरूरत होती है।' इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच मिले समय के दौरान कई क्रिकेटरों, विशेषकर बेन डकेट, पर अत्यधिक शराब पीने के लग रहे आरोपों की गंभीरता से जांच कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया शुरुआती तीन टेस्ट जीतकर सीरीज में 3-0 की अपराजेय बढ़त ले चुका है।

विजय हजारे ट्रॉफी: कर्नाटक ने रचा इतिहास, 413 रन का टारगेट चेज करते हुए चौंकाया

एजेंसी

अहमदाबाद। विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक ने झारखंड के खिलाफ 413 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए सभी को चौंका दिया। इस टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 15 गेंदें शेष रहते जीत दर्ज करते हुए लिस्ट-ए क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा टारगेट हासिल किया। साल 2006 में साउथ अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 435 रनों के लक्ष्य को हासिल किया था। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी कर्नाटक की टीम ने 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 412 रन बनाए। इस टीम ने 110 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कुमार कुशाग्र ने विराट सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 88 गेंदों में 129 रन की साझेदारी करते हुए टीम के स्कोर को 289 रन तक पहुंचाया। कुशाग्र 47 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 63 रन बनाकर आउट हुए। यहां से कप्तान ईशान किशन ने 39 गेंदों में 14 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 125 रन की पारी खेलते

हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। इस बीच विराट सिंह ने 68 गेंदों में 88 रन की पारी खेली।विपक्षी टीम की तरफ से अभिलाश शेट्टी ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि विद्याधर पाटिल और श्रेयस गोपाल ने 2-2 विकेट निकाले। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक ने 47.3 ओवरों में जीत हासिल कर ली। इस टीम को कप्तान मयंक अग्रवाल और देवदत्त पड्डिकल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 11.5 ओवरों में 114 रन की साझेदारी की।मयंक ने 34 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 54 रन बनाए। यहां से करुण नायर (29) ने पड्डिकल के साथ दूसरे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 181 के स्कोर तक पहुंचाया। देवदत्त पड्डिकल 118 गेंदों में 7 छक्कों और 10 चौकों की मदद से 147 रन बनाकर आउट हुए। टीम 40.4 ओवरों तक 5 विकेट खोकर 325 रन बना चुकी थी। यहां से अभिनव मनोहर ने ध्रुव प्रभाकर के साथ छठे विकेट के लिए 41 गेंदों में 88 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को असंभव-सी नजर आने वाली जीत दिलाई। विपक्षी टीम की तरफ से सौरभ शेखर और उत्कर्ष सिंह ने 2-2 विकेट निकाले, जबकि सुशांत मिश्रा ने 1 विकेट हासिल किया।

विजय हजारे ट्रॉफी: रोहित शर्मा ने लगाया लिस्ट-ए करियर का सबसे तेज शतक, मुंबई की 8 विकेट से जीत

एजेंसी

जयपुर। 'हिटमैन' रोहित शर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलते हुए शतक लगाया। रोहित ने सिक्किम के विरुद्ध 94 गेंदों में 9 छक्कों और 18 चौकों के साथ 155 रन की पारी खेली। इस दौरान रोहित ने अपने लिस्ट ए करियर का सबसे तेज शतक लगाया। रोहित शर्मा ने महज 62 गेंदों में शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में अफगानिस्तान के विरुद्ध 63 गेंदों में शतक लगाया था। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में रोहित शर्मा की शानदार पारी के दम पर मुंबई ने 8 विकेट से दमदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी सिक्किम की टीम ने 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 236 रन बनाए। टीम महज 5 के स्कोर पर अमित राजेरा (0) का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से साई सात्विक ने आशीष थापा के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़ते हुए टीम को संभाला। सात्विक 34 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद आशीष थापा ने क्रांति कुमार के साथ तीसरे विकेट के लिए

106 रन जुटाए। आशीष 87 गेंदों में 8 चौकों के साथ 79 रन बनाकर आउट हुए, जबकि क्रांति कुमार ने 52 गेंदों में 34 रन बनाए। इनके अलावा, रॉबिन ने नाबाद 31 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी टीम की तरफ से शार्दुल ठाकुर ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि तुषार देशपांडे, तनुष कोटियान, शम्स मुलानी और मुशीर खान ने 1-1 विकेट निकाला।

इसके जवाब में मुंबई ने 30.3 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। अंगकृष रघुवंशी ने रोहित शर्मा के साथ 19.4 ओवरों में 141 रन जुटाए। अंगकृष 38 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से रोहित शर्मा ने मुशीर खान के साथ 58 गेंदों में 85 रन जोड़ते हुए टीम को जीत की दहलीज पर ला दिया। रोहित 155 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद मुशीर खान ने 26 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाते हुए मुंबई को जीत दिलाई। सिक्किम की तरफ से क्रांति कुमार और अंकुर मलिक ने 1-1 विकेट हासिल किया।

सब-जूनियर मेंस एकेडमी हॉकी: पंजाब हॉकी क्लब, एसएजी समेत सेल एकेडमी की जीत

एजेंसी

सूरत। हॉकी इंडिया सब-जूनियर पुरुष एकेडमी चैंपियनशिप 2025 में नामधारी इलेवन, राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब एकेडमी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात (एसएजी) और सेल हॉकी एकेडमी ने महत्वपूर्ण जीत हासिल की। ये मुकाबले गुजरात के सूरत में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी हॉकी ग्राउंड में खेले गए। बुधवार की शुरुआत पूल डी के मैच से हुई, जिसमें नामधारी इलेवन ने एसजीपीसी हॉकी एकेडमी के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। ??कप्तान गंगा सिंह ने मुकाबले के 21वें मिनट में गोल दागकर टीम का खाता खोला, जिसके बाद करनबीर सिंह ने 22वें मिनट में टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। सुखप्रीत सिंह ने मुकाबले के 60वें मिनट में एसजीपीसी के लिए इकलौता गोल किया। पूल सी में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब एकेडमी ने सैल्यूट हॉकी एकेडमी के खिलाफ

18-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में वरिंदर सिंह (10वें मिनट, 15वें मिनट, 20वें मिनट, 42वें मिनट, 51वें मिनट) और अर्जनदीप सिंह (24वें मिनट, 27वें मिनट, 31वें मिनट, 49वें मिनट, 58वें मिनट) ने पांच-पांच गोल किए, जबकि मनवीर सिंह (7वें मिनट, 22वें मिनट, 34वें मिनट, 60+ मिनट) ने चार गोल दागे। इनके अलावा, अर्शदीप सिंह (24वें मिनट, 36वें मिनट), सैमुअल (तीसरे मिनट), और सन्मुख सिंह (25वें मिनट) ने भी राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब एकेडमी के लिए योगदान दिया। दूसरी ओर, अरुण (18वें मिनट) ने सैल्यूट हॉकी एकेडमी की ओर से एकमात्र गोल किया। इसी पूल में, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात ने चीमा हॉकी एकेडमी को 2-1 से मात दी। पृथ्वीराज बाबूजी वाघेला (36वें मिनट) और मयंकभाई पंकजभाई गवली (56वें मिनट) ने गुजरात की टीम के लिए गोल किए। वहीं, गुरप्रीत सिंह (54वें मिनट) ने चीमा हॉकी एकेडमी की तरफ से इकलौता गोल किया। दिन के आखिरी मैच में, पूल बी के मुकाबले में सेल हॉकी एकेडमी ने रिपब्लिकन स्पोर्ट्स क्लब के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की। शाहिद मोहम्मद (15+ मिनट), कुणाल कावरे (34वें मिनट), मिलन अथोकपम (43वें मिनट), सुमन किंडो (48वें मिनट) और बिकाश स्वैन (54वें मिनट) ने विजेता टीम की ओर से गोल किए।

मिचेल स्टार्क बड़े रिकॉर्ड के करीब, पीछे छूट जाएंगे लायन और कमिंस

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क एशेज सीरीज में प्रचंड फॉर्म में चल रहे हैं। जोश हेजलवुड और पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में स्टार्क ने अकेले दम इंग्लैंड को परेशानी में डाला है और टीम को एशेज सीरीज में जीत दिलाने में बड़ी भूमिका गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी निभाई है। मिचेल स्टार्क सिडनी में खेले जाने वाले एशेज सीरीज के आखिरी टेस्ट तक विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। स्टार्क इस सफर में पैट कमिंस और नाथन लायन को पीछे छोड़ेंगे। कमिंस और लायन एशेज सीरीज के आखिरी दोनों टेस्ट मैचों से बाहर हैं। स्टार्क ने 2019 से 2025 के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 52 टेस्ट मैचों में 213 विकेट लिए हैं। अगले 2 टेस्ट में 12 विकेट लेते ही उनके 225 विकेट हो जाएंगे और वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज बन जाएंगे। फिलहाल स्टार्क लायन और कमिंस के बाद तीसरे स्थान पर हैं।नाथन लायन 2019 से 2025 के बीच 55 टेस्ट मैचों में 224 विकेट लेकर पहले स्थान पर हैं। पैट कमिंस 2019 से 2025 के बीच 52 टेस्ट मैचों में 221 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। कमिंस एशेज सीरीज का सिर्फ तीसरा टेस्ट खेले थे। एशेज सीरीज में स्टार्क जिस तरह की फॉर्म में हैं उसे देखते हुए पूरी संभावना है कि वह अगले दो टेस्ट मैचों के दौरान विश्व टेस्ट चैंपियनशिप इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज बन जाएंगे। स्टार्क शुरुआती तीन टेस्ट मैचों में 22 विकेट ले चुके हैं। स्टार्क के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो 35 साल के इस तेज गेंदबाज ने 103 टेस्ट मैचों में 424 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट इतिहास के वह 14वें सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं।

खेल रत्न पुरस्कार के लिए हार्दिक सिंह नॉमिनेट, अर्जुन अवॉर्ड को लेकर 24 खिलाड़ियों की सिफारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक गेम्स में भारतीय हॉकी टीम को ब्रॉन्ज मेडल जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले हार्दिक सिंह को 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार' के लिए नॉमिनेट किया गया है। चयन समिति ने 'अर्जुन अवॉर्ड' के लिए 24 खिलाड़ियों के नाम की सिफारिश की है। इनमें आरती पाल भी शामिल हैं, जो इस सम्मान के लिए सिफारिश पाने वाली पहली योगासन एथलीट बन गई हैं। युवा मामले और खेल मंत्रालय की ओर से गठित समिति ने नई दिल्ली में बैठक की। इस समिति ने 27 वर्षीय मिडफील्डर हार्दिक को पिछले दो वर्षों में भारतीय हॉकी टीम में उनके योगदान के लिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। हार्दिक सिंह 2023 में एशियन गेम्स और राजगीर में एशिया कप 2025 में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा भी रहे

हैं। पंजाब के खुसरोपुर में जन्मे हार्दिक ने अब तक राष्ट्रीय टीम के साथ 166 मैच खेले हैं। अब तक छह हॉकी खिलाड़ियों को खेल रत्न से सम्मानित किया गया है। इनमें धनराज पिल्लै (1999-2000), सरदार सिंह (2017), रानी रामपाल (2020), पीआर श्रीजेश (2021), मनप्रीत सिंह (2021), और हरमनप्रीत सिंह (2024) का नाम शामिल है।

आरती योगासन में मौजूदा नेशनल और एशियन चैंपियन हैं, जिसे अगले साल जापान में होने वाले एशियन गेम्स में एक प्रदर्शनी खेल के तौर पर शामिल किया जाएगा। राइफल शूटर मेहुली घोष, जिमनास्ट प्रणति नायक, और भारत की टॉप रैंक वाली महिला बैडमिंटन जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद के नाम भी सिफारिशों में शामिल हैं।

इनके अलावा, पोलो स्टार पद्मनाभ सिंह के साथ-साथ सोनम मलिक (कुश्ती), सुतीर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा-शूटिंग), ओलंपियन रोवर अरविंद सिंह, और एकता भयान (पैरा-एथलेटिक्स) के नाम की भी सिफारिश की गई है। कमेटी ने द्रोणाचार्य अवॉर्ड और ध्यानचंद लाइफटाइम अवॉर्ड के लिए किसी नाम का सुझाव नहीं दिया।

प्रचंड फॉर्म में विराट कोहली, विजय हजारे ट्रॉफी में शतक के साथ बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी

बेंगलुरु। विराट कोहली ने अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में आंध्र के खिलाफ शतक लगाया। इस पारी के साथ कोहली ने लिस्ट क्रिकेट में 16 हजार रन पूरे कर लिए हैं। विराट कोहली ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1 में खेले गए मुकाबले में दिल्ली की ओर से खेलते हुए 101 गेंदों में 3 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 131 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर दिल्ली ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। कोहली के 16,000 रन की उपलब्धि उन्हें दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद लिस्ट ए क्रिकेट में यह आंकड़ा छूने वाला दूसरा भारतीय खिलाड़ी बनाती है। 37 वर्षीय कोहली इस मुकाम को हासिल करने वाले दुनिया के 9वें खिलाड़ी हैं, उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा और सर विवियन रिचर्ड्स जैसे दिग्गजों का नाम इस सूची में शामिल था।

कोहली इससे पहले 2010-11 सीजन में विजय हजारे ट्रॉफी खेले थे, जहां उन्होंने दिल्ली की कप्तानी की। वह 2013-14 में एनकेपी साल्वे चैलेंजर ट्रॉफी में खेले थे, लेकिन इस वापसी से पहले लगभग एक दशक तक विजय हजारे में हिस्सा नहीं लिया था।इस मुकाबले के दौरान कोहली ने प्रियांश आर्य के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन बनाए, जिसके बाद नितीश राणा के साथ तीसरे विकेट के लिए 159 रन जोड़े।प्रियांश 44 गेंदों में 5 छक्कों और 7 चौकों के साथ 74 रन बनाकर आउट हुए, जबकि राणा ने 55 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाए। दिल्ली ने महज 37.4 ओवरों में 4 विकेट शेष रहते जीत दर्ज की। विपक्षी टीम से हेमंत रेड्डी और सत्यनारायण राजू ने 2-2 विकेट निकाले।इससे पहले, टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी आंध्रा की टीम ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इस टीम के लिए रिकी भुई ने 105 गेंदों में 122 रन की पारी खेली, जबकि शेख रशीद ने 31 रन टीम के खाते में जोड़े। दिल्ली की तरफ से सिमरजीत सिंह ने सर्वाधिक 5 विकेट निकाले, जबकि प्रिंस यादव को 3 सफलताएं हाथ लगीं।

चंडीगढ़, डास्का, दिल्ली ब्लूज और राजस्थान को मिली जीत

एजेंसी

प्रयागराज। चंडीगढ़, डीएएससीए (डास्का), दिल्ली ब्लूज और राजस्थान ने अपने-अपने मुकाबले जीत कर 29वीं ऑल इंडिया लीगल फ्रैटर्निटी क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किये। डास्का के मध्यम तेज गेंदबाज आकाशदीप ने हैट्रिक सहित चार विकेट लिए। डीएसए मैदान पर खेले गए पहले मैच में टॉस जीतकर चंडीगढ़ ने 15 ओवर में चार विकेट पर 191 रन (हर्ष बागू 76, शुभम पठानिया व प्रमोद शर्मा 32-32, विनीत सोनी 26, हर्ष मिनोचा 19 नाबाद, रोहित चौहान 2-35) बनाए। जवाब में हिमाचल प्रदेश की टीम 15 ओवर में सात विकेट पर 105 रन (प्रणय 32 नाबाद, राकेश ठाकुर व रोहित चौहान 13-13, प्रमोद शर्मा 3-10, पंकज 2-07) ही बना सकी। प्रमोद शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में केरल ने 11.2 ओवर में 59 रन (अफजल 27, रिंचू रहीम 17, आकाशदीप 4-20, नवदीप 3-14) बनाए। जवाब में डीएएससीए ने आठ ओवर में एक विकेट पर 63 रन (मुकेश 26, रोहित गोयल 13, हरि कृष्ण 2-16) बना लिए। आकाश दीप को मैन ऑफ द मैच चुना गया। एनसीआर सूबेदारगंज मैदान पर पहले मैच में उत्तराखंड ने 12 ओवर में पांच विकेट पर 104 रन (परितोष 36, इमरान 26, प्रवीण, रजनीश, अनिरुद्ध व रतुल एक-एक विकेट) बनाए।

वर्ष 2026 में व्यस्त रहेगा भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का कैलेंडर, सामने होंगी बड़ी चुनौतियां

नई दिल्ली। उतार-चढ़ाव भरे 2025 के बाद भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सामने 2026 में बेहद व्यस्त कार्यक्रम रहने वाला है। इस साल की सबसे बड़ी खासियत घरेलू परिस्थितियों में होने वाले टी20 विश्व कप का खिताब बचाने की चुनौती, बड़ी संख्या में वनडे मुकाबले और विदेशी धरती पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की कठिन परीक्षाएं होंगी। साल 2025 भारत के लिए यादगार रहा। दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता, जिसमें चार स्पिनरों की रणनीति काफी सफल रही। टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी भारत की प्रगति जारी रही और टीम ने घरेलू व विदेशी दौरों पर द्विपक्षीय सीरीज के साथ एशिया कप में भी जीत दर्ज की, हालांकि अभी तक टी20 विश्व कप की ट्रॉफी हाथ में नहीं आई।

टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के साथ ही भारत को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 3-1 से हार झेलनी पड़ी और डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी खत्म हो गईं। इसी दौरान विराट कोहली, रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जिससे टीम में

बड़े बदलाव की शुरुआत हुई। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया और बाद में उन्होंने वनडे टीम की भी कमान संभाली। इंग्लैंड में 2-2 से ड्रॉ रही सीरीज के बाद भारत ने घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज को 2-0 से हराया। हालांकि, न्यूजीलैंड से मिली 3-0 की हार की यादें तब फिर ताजा हो गईं जब दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 2-0 से पराजित किया। टेस्ट टीम में बल्लेबाजी क्रम अब भी स्थिर नहीं है और लगातार प्रयोगों के कारण भूमिका स्पष्टता व दीर्घकालिक योजना पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

2026 में भारत का ध्यान सबसे ज्यादा टी20 क्रिकेट पर रहेगा, जबकि टी20 विश्व कप के बाद वनडे प्रारूप पर फोकस बढ़ेगा। साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड की टीम तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए भारत दौरे पर आएगी। इसके बाद 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की मेजबानी में टी20 विश्व कप खेला जाएगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगा। मौजूदा फॉर्म और खिलाड़ियों की उपलब्धता को देखते हुए टीम इंडिया के पास खिताब बचाने का सुनहरा मौका होगा। अगर भारत ऐसा करने में सफल रहता है, तो वह घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनेगा और कुल तीन खिताब जीतने वाली इकलौती टीम भी। टी20 विश्व कप और आईपीएल 2026 के बाद जून में अफगानिस्तान की टीम एक टेस्ट (डब्ल्यूटीसी चक्र से बाहर) और तीन वनडे खेलने भारत आएगी। इसके बाद जुलाई में भारत इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सफेद गेंद की सीरीज खेलेगा। डब्ल्यूटीसी 2026 के तहत भारत की टेस्ट चुनौतियां अगस्त में श्रीलंका दौरे से शुरू होंगी, जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। यह दौरा खास तौर पर अहम होगा, क्योंकि स्पिन-अनुकूल पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अब तक चिंता का विषय रहा है।

मुंबई पोर्ट भूमि पर सीजीओ कॉम्प्लेक्स विकास हेतु एनबीसीसी-एमबीपीए के बीच एमओयू

एजेंसी

मुंबई। शहरी अवसंरचना विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन नवरत्न सीपीएसई एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड और मुंबई पत्तन प्राधिकरण (एमबीपीए) बोर्ड के बीच 23 दिसंबर 2025 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू कॉटन ग्रीन डिपो के समीप मुंबई पोर्ट की लगभग 25 एकड़ भूमि पर केंद्रीय सरकारी कार्यालय (सीजीओ) कॉम्प्लेक्स के विकास के लिए किया गया है। इस परियोजना में एनबीसीसी संकल्पना से लेकर कमीशनिंग तक संपूर्ण कार्य निष्पादन की जिम्मेदारी निभाएगा। समझौता ज्ञापन पर एमबीपीए के उपाध्यक्ष आदेश तितरमारे, आईएएस तथा एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. पी. महादेवास्वामी ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। सीजीओ कॉम्प्लेक्स के अतिरिक्त, मुंबई पत्तन प्राधिकरण ने एनबीसीसी को कई अन्य परियोजनाओं के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान की है। इनमें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, आइकोनिक भवन, बहुस्तरीय कार पार्किंग का निर्माण तथा भवनों, शेड, घाट, भंडारण क्षेत्रों और सड़कों का अनुरक्षण शामिल है।

सतत चेक क्लियरेंस प्रणाली का दूसरा चरण टला

मुंबई। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सतत चेक क्लियरेंस प्रणाली का दूसरा चरण जनवरी में लागू करने की योजना को फिलहाल टालते हुए इसकी तैयारी के लिए बैंकों को अतिरिक्त समय प्रदान किया है।इसका पहला चरण 04 अक्टूबर 2025 को लागू किया गया था और दूसरा चरण 03 जनवरी 2026 से लागू होना था। पहले चरण में जिस दिन चेक संबंधित बैंक को क्लियरेंस के लिए पेश किया गया है, उसी दिन उसे क्लियर करना या खारिज कर देना अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, दूसरे चरण में जिस घंटे में चेक पेश किया गया है उसके अगले तीन घंटे में उसे क्लियर या खारिज करने की अनिवार्यता का प्रस्ताव था। केंद्रीय बैंक ने जारी अधिसूचना में कहा है, 'दूसरे चरण का क्रियान्वयन अगले नोटिस तक के लिए टाला जा रहा है ताकि बैंकों को अपने परिचालन को सुचारू करने के लिए और समय मिल सके। ' इसके अलावा, पहले चरण के तहत संबंधित बैंक को (जिसका चेक है) चेक प्रस्तुत करने और संबंधित बैंक द्वारा उसे क्लियर करने के समय में बदलाव किया गया है। चेक प्रस्तुत करने का समय सुबह 10 बजे से अपराह्न चार बजे तक था जिसे बदलकर अब सुबह नौ बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक किया गया है।

एनएचएआई प्रायोजित निवेश प्रबंधन इकाई को सेबी से इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के रूप में मान्यता

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की एजेंसी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) प्रायोजित राजमार्ग इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीइट) को पूंजी बाजार विनियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इन्विट) के रूप में कामकाज करने की मान्यता मिल गयी है। यह जानकारी मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है। एनएचएआई ने अपनी परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना को सुदृढ़ करने के लिए इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट को इन्विट के रूप में सेबी में पंजीकृत कराया है। इससे उसके इस इन्विट को खुदरा और घरेलू निवेशकों से दीर्घकालिक पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने इसे राष्ट्रीय राजमार्ग विकास की यात्रा में सार्वजनिक भागीदारी को व्यापक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। एनएचएआई ने प्रमुख बैंकों और वित्तीय संस्थानों की इक्विटी भागीदारी के साथ एक सहयोगी उद्यम के रूप में स्थापित राजमार्ग इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड को रीइट के लिए निवेश प्रबंधक के रूप में गठित किया था। इनमें भागीदार बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, नाबफिड (नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं डेवलममेंट), एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व वेंचर्स लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और यस बैंक शामिल हैं।

रुपया आठ पैसे कमजोर

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया आठ पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.71 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा 5.50 पैसे मजबूत होकर 89.63 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये में आज भी भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह सात पैसे की बढ़त में 89.56 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 89.51 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। बीच कारोबार में यह 89.83 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था। अंत में 89.71 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाली से रुपये पर दबाव रहा। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर सूचकांक में नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही।

डिजिटल मंचों के भ्रामक तरीकों से जुड़ी उपभोक्ता शिकायतों का हो रहा निपटानः प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि उनका मंत्रालय ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले 'डार्क पैटर्न' से जुड़ी शिकायतों का सक्रिय रूप से निपटान कर रहा है। प्रल्हाद जोशी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस, 2025 कार्यक्रम को सबोधित करते हुए यह बात कही। इस मौके पर केंदीय उपभोक्ता मंत्री ने कई हाई-इम्पैक्ट वाले उपभोक्ता-केन्द्रित डिजिटल, रेगुलेटरी और जागरूकता पहलों की शुरुआत की।जोशी ने अपने संबोधन में कहा, 'हर दिन कोई नया डार्क पैटर्न सामने आता है, और हम इसे तुरंत संभालते हैं। उन्?होंने कहा कि कंपनियां भी ग्राहकों को लुभाने के लिए नए तरीके लाती रहती हैं, लेकिन हमारा विभाग बहुत सक्रिय है।' मंत्री ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मंत्रालय की सचिव निधि खरे और उनकी टीम को उपभोक्ता शिकायतों के सफल निपटान के लिए बधाई दी। 'डिजिटल न्याय के माध्यम से प्रभावी और त्वरित निपटान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनवरी, 2025 में शुरू हुए डिजिटल मंच 'ई-जागृति' पर अब तक 1.4 लाख से अधिक मामले दर्ज और निपटाए जा चुके हैं। जिला उपभोक्ता विवाद निपटान आयोगों ने 1.19 लाख से अधिक मामले दर्ज किए है, जबकि 1.20 लाख से अधिक मामलों का निपटान किया। पांच महीनों के भीतर 4,300 से अधिक मामलों का समाधान किया गया।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 2025 का विषय 'डिजिटल न्याय के जरिए कुशल और त्वरित निपटान' है। मंत्रालय ने 30 नवंबर, 2023 को दिशानिर्देश जारी कर 13 तरह के डार्क पैटर्न को चिह्नित किया था, ताकि ऐसी अनुचित व्यापार प्रथाओं को रोका और नियंत्रित किया जा सके। इनमें सब्सक्रिप्शन लेने के लिए बहलाना-फुसलाना और झुंझलाने वाले अलर्ट लगातार भेजते रहने जैसे तरीके शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि डार्क पैटर्न का इस्तेमाल डिजिटल मंचों या वेबसाइट पर उपयोगकर्ताओं को भ्रम में डालने, किसी अनचाही गतिविधि के लिए प्रेरित करने या अनचाहे निर्णय लेने के लिए मजबूर करने के लिए किया जाता है।

शंख एयर की 2026 की पहली तिमाही में उड़ानें शुरू करने की योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विमानन क्षेत्र में एंट्री करने जा रही एयरलाइन कंपनी शंख एयर की 2026 की पहली तिमाही में उड़ान सेवाएं शुरू करने की योजना है। कंपनी ने नागर विमानन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलने के बाद कहा कि शंख एयर की 2026 की पहली तिमाही में उड़ान सेवाएं शुरू करने की योजना है। शंख एविएशन ने जारी एक बयान में कहा कि उसके विमान वर्तमान में तकनीकी समीक्षा से गुजर रहे हैं और भारत में डिलिवरी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश स्थित शंख एविएशन कंपनी शंख एयर का संचालन करेगा। शंख एविएशन के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) श्रवण कुमार विश्वकर्मा ने एक दिन पहले सोमवार को नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू से मुलाकात की और एयरलाइन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। विश्वकर्मा के अनुसार, एयरलाइन की योजना 2026 की पहली तिमाही के आसपास अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करने की है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी का लक्ष्य अगले दो से तीन वर्षों में अपने बेड़े को 20-25 विमानों तक बढ़ाने का है।उल्लेखनीय है कि भारत की सबसे नई और सबसे मॉडर्न एयरलाइन, शंख एयर, मई 2025 में अपनी पहली फ्लाइट शुरू करके हवाई यात्रा में क्रांति लाने के लिए तैयार है। इस कंपनी का मुख्?यालय लखनऊ में स्थित है। कंपनी की योजना लखनऊ से दिल्ली, फाइनेंशियल हब मुंबई, कल्चरल शहर चेन्नई और देश के दूसरे बड़े शहरों से जोड़ने की है।

इंडसइंड बैंक के 1960 करोड़ रुपये के भारी नुकसान की जांच अब SFIO के हवाले

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक की मुश्किलें उस समय और बढ़ गई जब केंद्र सरकार की विशेष जांच एजेंसी SFIO (गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय) ने बैंक के खिलाफ जांच का मोर्चा संभाल लिया। बैंक ने स्वयं शेयर बाजार को सूचित किया है कि उसे 23 दिसंबर को SFIO की ओर से आधिकारिक जांच का आदेश प्राप्त हुआ है। यह पूरा मामला बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में हुई अकाउंटिंग विसंगतियों से जुड़ा है, जिसके कारण बैंक को लगभग 1,960 करोड़ रुपये का भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है। बाहरी लेखा परीक्षकों (Auditors) द्वारा विसंगतियों का खुलासा किए जाने के बाद अब बैंक की साख और निवेशकों के भरोसे पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो गया है। इस मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) और SFIO के निष्कर्षों में विरोधाभास देखा गया। कुछ समय पहले मुंबई पुलिस की EOW ने अपनी प्रारंभिक जांच में कहा था कि

उसे फंड की हेराफेरी या किसी आपराधिक मंशा का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है, जिसके आधार पर मामले को बंद करने की तैयारी थी। हालांकि, केंद्र सरकार ने मामले की गंभीरता और तकनीकी जटिलताओं को देखते हुए अब इसकी बागडोर SFIO को सौंप दी है। SFIO अब इस बात की गहराई से पड़ताल करेगा कि क्या यह केवल एक अकाउंटिंग त्रुटि थी या इसके पीछे किसी बड़े वित्तीय गबन की साजिश रची गई थी। इस घोटाले का असर बैंक की बैलेंस शीट पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। स्वतंत्र एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, अकाउंटिंग की इन गंभीर गलतियों की वजह से 31 मार्च 2025 तक बैंक के लाभ-हानि खाते पर 1,959.98 करोड़ रुपये का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इतना ही नहीं, बैंक की कुल शुद्ध संपत्ति (Net Worth) में भी लगभग 1,979 करोड़ रुपये की भारी कमी आने की आशंका जताई गई है। बैंकिंग विशेषज्ञों का मानना है कि SFIO की जांच के परिणाम न केवल इंडसइंड बैंक के प्रबंधन के लिए चुनौतीपूर्ण होंगे, बल्कि पूरी बैंकिंग इंडस्ट्री के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो और अकाउंटिंग मानकों की समीक्षा का आधार भी बनेंगे।

नए साल 2026 के पहले महीने में छुट्टियों की भरमार, जनवरी में 16 दिन बंद रहेंगे बैंक और 9 दिन नहीं होगी शेयर मार्केट में ट्रेडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। 25 दिसंबर, 2025। वर्ष 2026 का आगाज छुट्टियों के साथ होने जा रहा है। जनवरी महीने में सार्वजनिक अवकाश, रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार को मिलाकर देश के विभिन्न राज्यों में कुल 16 दिन बैंक बंद रहेंगे। विशेष रूप से महीने के अंत में 24 जनवरी (चौथा शनिवार), 25 जनवरी (रविवार) और 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) की वजह से लगातार तीन दिनों का 'लॉन्ग वीकेंड' मिल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (ऋब्ढ्ढ) के कैलेंडर के अनुसार, 1 जनवरी को नए साल के साथ छुट्टियों का सिलसिला शुरू होगा, जिसमें मकर संक्रांति, पोंगल, बसंत पंचमी और हजरत अली के जन्मदिन जैसे क्षेत्रीय त्योहार भी शामिल हैं। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने जरूरी काम समय रहते निपटा लें। निवेशकों के लिए भी जनवरी का महीना सीमित कारोबारी सत्रों वाला होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्श्व) में शनिवार और रविवार की 8 छुट्टियों के अलावा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में कुल 9 दिन ट्रेडिंग बंद रहेगी। हालांकि, बैंकों की शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि ऑनलाइन बैंकिंग, नेट बैंकिंग और एटीएम (ऽञ्जरू) सेवाएं निर्बाध रूप से चालू रहेंगी। डिजिटल ट्रांजैक्शन और फोन बैंकिंग के जरिए पैसे का लेन-देन छुट्टियों के दौरान भी किया जा सकेगा, जिससे आम जनता को नकदी या फंड ट्रांसफर की समस्या नहीं होगी। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग छुट्टियों को 'नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट' और 'रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' जैसी तीन श्रेणियों में विभाजित किया है। जनवरी में कई छुट्टियां राज्य-विशिष्ट हैं, जैसे 2 जनवरी को मन्नत जयंती पर केरल में और 12 जनवरी को विवेकानंद जयंती पर कोलकाता में बैंक बंद रहेंगे। वहीं, 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती और सरस्वती पूजा के अवसर पर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बैंक अवकाश रहेगा। चूंकि 2026 के पूरे साल का शेयर बाजार कैलेंडर भी जारी हो चुका है, इसलिए निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे मार्च में होली और अप्रैल में गुड फ्राइडे जैसी आगामी बड़ी छुट्टियों को ध्यान में रखकर अपनी वित्तीय रणनीति बनाएं।

यूपी का कायाकल्प : मुख्यमंत्री योगी ने दिया 'Fearless Business' और 'Ease of Doing Business' का मंत्र

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में वर्ष 2025-26 के अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की बदलती आर्थिक तस्वीर का खाका खींचा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश अब 'बीमारू' राज्य की छवि से बाहर निकलकर 'Fearless Business' (भयमुक्त व्यापार), Ease of Doing Business और Trust of Doing Business (व्यापार का विश्वास) का ग्लोबल मॉडल बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में vittiya anushasan (वित्तीय अनुशासन) और good governance (सुशासन) को प्राथमिकता दी गई है। इसी का परिणाम है कि राज्य का GSDP जो 2012-16 के बीच मात्र 12.88 लाख करोड़ रुपये था, वह आज बढ़कर 35-36 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। प्रदेश की per capita income (प्रति व्यक्ति आय) भी 43,000 रुपये से बढ़कर 1,20,000 रुपये हो गई है।

कृषि विकास दरः प्रदेश में agriculture growth rate 8फीसदी से बढ़कर 18फीसदी तक पहुंच गई है। मेडिकल कॉलेजः 'एक जनपद-एक मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य के साथ प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित या निर्माणाधीन हैं।

रिन्यूएबल एनजीः पर्यावरण संरक्षण की दिशा में vGW solar प्रोजेक्ट्स के साथ यूपी देश का अग्रणी राज्य बन रहा है।

रोजगार और स्टार्ट-अप का बना इकोसिस्टम

मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि प्रदेश में unemployment rate (बेरोजगारी दर) में भारी गिरावट आई है, जबकि Employment ratio में लगातार सुधार हो रहा है। राज्य में start-up ecosystem को बढ़ावा देने के लिए 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारा गया है, जिससे 60 लाख युवाओं को सीधे रोजगार मिला है। एमएसएमई सेक्टर की 96 लाख इकाइयां आज 2 करोड़ परिवारों का सहारा बनी हैं।

बैंकों के प्रति बढ़ा भरोसाः CD Ratio में सुधार

मुख्यमंत्री ने बैंकिंग सेवाओं पर जोर देते हुए कहा कि प्रदेश का CD ratio (क्रेडिट-डेपोजिट रेशियो) 44फीसदी से बढ़कर 62-65फीसदी हो गया है, जिसे 70फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य है। इसका सीधा मतलब है कि जनता का पैसा अब प्रदेश के विकास और युवाओं के स्वरोजगार में लग रहा है। सीएम ने कहा कि हमारी हर welfare scheme (जन-कल्याणकारी योजना) 'फेसलेस' और 'भ्रष्टाचार मुक्त' है। चाहे वह मुफ्त राशन हो या आयुष्मान कार्ड, लाभ बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक पहुँच रहा है। अंत में उन्होंने दोहराया कि उत्तर प्रदेश में अपराध के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति ने व्यापारियों में सुरक्षा का भाव जगाया है, जिससे राज्य अब निवेश का 'ड्रीम डेस्टिनेशन' बन गया है।

जेएसडब्ल्यू समूह ने संदीप बत्रा को बनाया मुख्य मानव संसाधन अधिकारी

एजेंसी

मुंबई। इस्पात, ऊर्जा और अन्य कारोबार में लगे प्रतिष्ठित जेएसडब्ल्यू समूह ने अपनी मानव संसाधन (एचआर) प्रबंधन टीम को और मजबूत बनाने के लिए संदीप बत्रा को प्रेसिडेंट एवं मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (स्टील एवं कॉर्पोरेट) बनाया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि श्री बत्रा जेएसडब्ल्यू स्टील और कॉर्पोरेट विभाग में मानव संसाधन एवं प्रतिभा से जुड़ी कार्ययोजनाओं का नेतृत्व करेंगे। भारतीय सेना में कमीशंड ऑफिसर के रूप में काम कर चुके श्री बत्रा को आईटी, उपभोक्ता, टेलीकॉम, रिटेल, इन्फ्रास्ट्रक्चर और एविएशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा प्रबंधन, संगठनात्मक डिज़ाइन और उत्पादकता वृद्धि के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। वह इससे पहले अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के मानव संसाधन प्रभाग का नेतृत्व कर रहे थे। वह लैंडमार्क ग्रुप और वोडाफोन इंडिया में भी काम कर चुके हैं। समूह ने शिल्पी लाल शर्मा को अपने प्रतिभा, सीख एंड विकास का समूह-प्रमुख बनाया है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने इन निर्णयों पर कहा,' भविष्य के लिए तैयार संगठनों के निर्माण के लिए प्रतिभा, नेतृत्व विकास और एक मजबूत प्रदर्शन-आधारित संस्कृति पर स्पष्ट फोकस आवश्यक है। उच्च प्रदर्शन करने वाले संगठनों के निर्माण में संदीप का व्यापक अनुभव और प्रतिभा, लर्निंग व समावेशन में शिल्पी की मजबूत विशेषज्ञता, हमें अत्याधुनिक टीमों के निर्माण में मदद करेगी, जो समूह की दीर्घकालिक विकास योजनाओं में सहायक होगा।

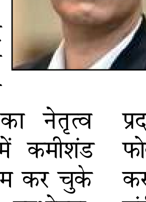

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 116 अंक टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लाल निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 116.14 अंक यानी 0.14 फीसदी टूटकर 85,408.70 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सेंचज (एनएसई) का निफ्टी भी 37.45 अंक यानी 0.14 फीसदी अंक की गिरावट के साथ 26,139.70 के स्तर पर बंद हुआ। आज विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और चुनिंदा सेक्टर्स में मुनाफावसूली के चलते निवेशकों का सेंटीमेंट कमजोर बना रहा। एक समय सेंसेक्स लगभग 200 अंक बढ़कर 85738.18 के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, यह तेजी ज्यादा देर बरकरार नहीं रही। आज कारोबार में सेंसेक्स के 30

स्टॉक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। सबसे ज्यादा बिकवाली टीएमपीवी, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स जैसे स्टॉक में देखने को मिली है।दूसरी तरफ, ट्रेंट, मारुति सुजुकी इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस और पावर ग्रिड जैसे शेयर टॉप गेनर रहे। एशियाई शेयर बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में स्थिर हुए। यूरोपीय बाजारों में मामूली बढ़त देखी गई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर 89.78 रुपये प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद। एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 42.63 अंक यानी 0.050 फीसदी की गिरावट के साथ 85,524.84 के स्तर पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 4.75 अंक यानी 0.018 फीसदी बढ़कर 26,177.15 के स्तर पर बंद हुआ था।

अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस उड़ान भरने को तैयार, सरकार से मिली मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के नागरिक उड्डयन बाजार में नई प्रतिस्पर्धा शुरू होने वाली है। भारत में दो नई एयरलाइंस कंपनियां अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस जल्द ही उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। इन कंपनियों को नागर विमानन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल गया है।नागर विमानन मंत्रालय से अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस को उड़ान भरने की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। इन दो कंपनियों के अलावा उत्तर प्रदेश की कंपनी शंख एयर को भी पहले ही एनओसी मिल चुका है। इनके 2026 में परिचालन शुरू करने की संभावना है। सरकार ने विमानन क्षेत्र में भारत ने एविएशन में प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश में नई एयरलाइंस को मंजूरी दी है। इससे कुछ बड़े प्लेयर्स के दबदबे वाले इस सेक्टर में और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र में अधिक विमानन कंपनियों को प्रोत्साहित करना मंत्रालय का प्रयास रहा है, जो सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है। इस समय देश में फिलहाल नौ घरेलू विमानन कंपनियां नियमित सेवा दे रही हैं।उन्होंने कहा कि 'उड़ान' जैसी योजनाओं ने स्टार एयर, इंडिया वन एयर और फ्लाई91 जैसी छोटी विमानन कंपनियों को देश के भीतर क्षेत्रीय संपर्क में अहम भूमिका निभाने में सक्षम बनाया है और भविष्य में वृद्धि की और भी गुंजाइश है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसी) के अनुसार एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और सार्वजनिक क्षेत्र की अलायंस एयर के अलावा अन्य विमानन कंपनियां अकासा एयर, स्पाइसजेट, स्टार एयर, फ्लाई91 और इंडियावन एयर हैं। गो फर्स्ट तथा जेट एयरवेज सहित कई विमानन कंपनियों ने पिछले कुछ साल के दौरान कर्ज के बोझ तले दबकर अपनी उड़ान सेवाएं बंद कर दी हैं। क्षेत्रीय विमानन कंपनी फ्लाई बिग ने अक्टूबर में नियमित उड़ानें निलंबित कर दी थीं। इंडिगो एयरलाइन और एयर इंडिया समूह (एयर इंडिया व एयर इंडिया एक्सप्रेस) की घरेलू बाजार में 90 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है।

रोम के लिए मार्च से दोबारा उड़ान शुरू करेगी एयर इंडिया

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया अगले साल 25 मार्च से दिल्ली और इटली की राजधानी रोम के बीच नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइन ने बताया कि यह उड़ान सप्ताह में चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को उपलब्ध होगी। इस मार्ग पर वह बोइंग 7878-8 विमान का परिचालन करेगी। इसमें बिजनेस श्रेणी में 18 फ्लैट बेड और इकोनॉमी क्लास में 238 सीटें होंगी। रोम के लिए उड़ान लगभग छह साल बाद शुरू की जा रही है। कोविड-19 के समय साल 2020 में यह उड़ान बंद कर दी गयी थी। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा कि भारत और इटली के बीच संस्कृति, व्यापार और व्यवसाय में काफी कुछ साझा है। दोनों देशों की राजधानियों के बीच नॉन-स्टॉप सेवा शुरू करने से इटली के यात्रियों को भारतीय उपमहाद्वीप के साथ दक्षिण पूर्व एशिया के लिए भी अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे। वे दिल्ली होते हुए एयर इंडिया की उड़ान से बैंकॉक, कोलंबो, हो ची मिन्ह सिटी, काठमांडू, क्वालालम्पुर, मनीला, फुकेट और सिंगापुर जा सकेंगे।

एनबीसीसी ने दुबई में रियल एस्टेट क्षेत्र में रखा कदम, सीपीएसयू के रूप में पहली बार डेवलपर के तौर पर किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने अंतरराष्ट्रीय रियल एस्टेट क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए दुबई में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। एनबीसीसी ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनबीसीसी ओवरसीज़ रियल एस्टेट एलएलसी के माध्यम से दुबई में विदेशी रियल एस्टेट परिचालनों की औपचारिक शुरुआत की है। इसके साथ ही एनबीसीसी दुबई में स्वयं को रियल एस्टेट डेवलपर के रूप में लॉन्च करने वाला देश का पहला केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (सीपीएसयू) बन गया है। एनबीसीसी ओवरसीज़ रियल एस्टेट एलएलसी ने दुबई मेनलैंड में मिश्रित-उपयोग विकास परियोजना के लिए एक प्रमुख भूखंड का अधिग्रहण किया है। यह भूखंड 16 मिलियन एईडी में खरीदा गया है, जिसमें दुबई लैंड डिपार्टमेंट (डीएलडी), ब्रोकर एवं अन्य शुल्कों के रूप में भुगतान किए गए 1 मिलियन एईडी भी शामिल हैं। प्रस्तावित परियोजना का कुल ग्रॉस फ्लोर एरिया (जीएफए) 51,718 वर्गफुट होगा तथा इसकी संरचना जी+2 पोडियम+8 मंज़िलों की होगी। इस परियोजना से 58 से 60 मिलियन एईडी के अनुमानित राजस्व की संभावना जताई गई है। भारत सरकार और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के समर्थन व अनुमोदन से यह परियोजना एनबीसीसी की वैश्विक विस्तार रणनीति का हिस्सा है। एनबीसीसी के प्रबंधन ने अपनी मजबूत ब्रांड पहचान और स्मार्ट प्राइसिंग रणनीति का लाभ उठाते हुए इस अवसर को साकार किया है, जिसे कंपनी की विकास यात्रा में एक अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। घरेलू स्तर पर भी एनबीसीसी ने रियल एस्टेट क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के तहत अटकी हुई आम्रपाली परियोजनाओं को अपने अधीन लेकर एनबीसीसी ने हजारों घर खरीदारों को राहत प्रदान की है। लगभग 38,000 इकाइयों के दायित्व में से अब तक करीब 30,000 इकाइयों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही, अप्रयुक्त फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) के माध्यम से अतिरिक्त 8,200 इकाइयों को लॉन्च कर परियोजनाओं का और विस्तार किया जा रहा है। इससे पूर्व एनबीसीसी ने दुबई साउथ में वर्ल्ड एक्सपो 2020 के लिए लगभग 172 मिलियन एईडी की लागत से इंडिया पवेलियन का सफलतापूर्वक निर्माण किया था, जिसने वैश्विक मंच पर भारतीय उत्कृष्टता को प्रदर्शित किया। दुबई में यह नया कदम एनबीसीसी की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और सुदृढ़ करेगा तथा भविष्य में विकास के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

बांग्लादेश में संसदीय चुनाव लड़ेंगे अटॉर्नी जनरल असदुज्जामा, 27 दिसंबर को देंगे पद से इस्तीफा

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने झेनाइदह-1 निर्वाचन क्षेत्र से अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदुज्जमां को अपना उम्मीदवार बनाया है। राष्ट्रीय संसदीय चुनाव लड़ने के लिए वह 27 दिसंबर को अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। असदुज्जमां ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी कि वह आगामी 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में झेनाइदह-1 निर्वाचन क्षेत्र से बीएनपी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। जुलाई में हुए जन आंदोलन और उसके बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के हटने के बाद सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता असदुज्जमां को 08 अगस्त 2024 को अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया था। अटॉर्नी जनरल नियुक्त होने के बाद उन्होंने बीएनपी के मानवाधिकार मामलों के सचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 2018 के संसदीय चुनाव में भी उन्होंने बीएनपी उम्मीदवार के रूप में इसी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। बांग्लादेश चुनाव आयोग ने 12 दिसंबर को संसदीय चुनाव के कार्यक्रमों की घोषणा की थी। संसदीय चुनाव के लिए 12 फ़रवरी को मतदान होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 29 दिसंबर है और नामांकन पत्रों की जांच 30 दिसंबर से 4 जनवरी तक होगी।

सिंगापुर में मानवाधिकारों के नामचीन वकील भारतीय मूल के एम रवि का निधन

सिंगापुर। सिंगापुर में मानवाधिकारों के बड़े रक्षक, पूर्व वकील और भारतीय मूल के एम. रवि का 56 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रवि का पूरा नाम रवि मादासामी था। उन्होंने वह ढाई दशक तक अधिक समय तक वकालत की। वह मृत्युदंड की सजा पाए कैदियों की पैरवी के लिए जाने जाते थे। सिंगापुर के अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार पूर्व वकील रवि 24 दिसंबर की सुबह बेहोश पाए गए। पुलिस ने बताया कि उन्हें प्रातकाल 6:50 बजे टैन टॉक सेंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कहा, शुरुआती जांच के आधार पर, किसी गड़बड़ी का शक नहीं है। जांच जारी है। उनके मित्र वकील यूजीन थुरैसिंगम ने रवि के निधन पर शोक जताया है। यूजीन ने कहा कि एम रवि ने अपनी जिंदगी में कई मुश्किलों का सामना किया। उन्होंने जिन मामलों में बहस की, उनसे सिंगापुर में संवैधानिक कानून को आकार देने में मदद मिली। उनकी कमी हमेशा खलेगी। यूजीन ने कहा कि वह बेहद निडर स्वभाव के थे।

बांग्लादेश का इंकलाब मंच हादी की हत्या से आगबबूला, 25 दिसंबर के बाद होगी आंदोलन की घोषणा

ढाका। बांग्लादेश का इंकलाब मंच अपने नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या से आगबबूला है। हादी की सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो जाने के बाद इंकलाब मंच और समान विचारधारा वाले संगठनों सारे देश में जमकर बवाल किया है। हिंसा, आगजनी और हत्या से बांग्लादेश थर्रा चुका है। एक हिंदू की बर्बर हत्या की लपटों ने पड़ोसी देशों को भी आहत कर दिया है। मंच 25 दिसंबर के बाद हादी हत्याकांड के विरोध में देशव्यापी आंदोलन की विस्तृत योजना की घोषणा करेगा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार इंकलाब मंच के सदस्य सचिव अब्दुल्ला अल जाबेर ने जारी बयान में कहा कि 25 दिसंबर को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान देश लौटने वाले हैं। इसलिए मंच गुरुवार को कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं करेगा। जाबेर ने राजनीतिक एकजुटता की उम्मीद जताते हुए कहा कि घरवापसी करने के बाद तारिक रहमान मंच के आंदोलन का समर्थन करेंगे।इंकलाब मंच 25 दिसंबर के बाद पूरे बांग्लादेश में आंदोलन की विस्तृत योजना की घोषणा करेगा। उन्होंने दुहराया कि इंकलाब मंच की मांग है कि हादी की हत्या का मुकदमा अगले 30 कामकाजी दिनों के भीतर फास्ट-ट्रैक न्यायिक न्यायाधिकरण के माध्यम से चलाया जाए।

ट्रंप की वजह से भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव है: टॉप डेमोक्रेट कांग्रेसमैन

वॉशिंगटन । भारत और अमेरिका के लिए व्यापारिक और कूटनीतिक दृष्टिकोण से यह साल अच्छा नहीं रहा है। दोनों देशों के संबंधों में तनाव देखने को मिला। इस बीच अमेरिका के जाने-माने कांग्रेसमैन राजा कृष्णमूर्ति ने दोनों देशों के संबंधों में और दोनों पुराने साझेदारों के बीच आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को कमजोर करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय मूल के अमेरिकी कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, 'अमेरिका-भारत के रिश्ते अभी कई वजहों से अच्छे नहीं हैं। व्यापार इस विवाद का एक बड़ा कारण है।' उन्होंने कहा कि रिश्तों में गिरावट ऐसे समय में आई है जब ज्यादा संभलकर चलने की जरूरत है। खासतौर से दक्षिणी एशिया में फिलहाल दोनों देशों के बीच तालमेल की ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमें अभी एक-दूसरे के और करीब आना होगा ताकि यह पक्का हो सके कि उस इलाके का पड़ोस सुरक्षित रहे।' इसके साथ ही चेतावनी दी है कि भारत और अमेरिका के बीच खराब तालमेल का फायदा हथियारबंद समूह उठा सकते हैं।

वहीं इस तनाव के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को जिम्मेदार ठहराते हुए राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप ऑफिस आए, और अमेरिका-भारत के संबंधों में सब कुछ बदल गया। आर्थिक और सुरक्षा सहयोग दोनों में कमी आई है। '

वेटिकन सिटी में क्रिसमस की धूम, पोप लियो का संदेश-यह दान और उम्मीद का त्योहार

एजेंसी

वेटिकन सिटी। वेटिकन सिटी में क्रिसमस की धूम है। पोप लियो (चतुर्दश) ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर जारी संदेश में कहा-'' यह दान और उम्मीद का त्योहार है।'' उन्होंने प्रभु के जन्म के पवित्र क्रिसमस मास खुशी का एलान करते हुए कहा कि सब लोग क्रिसमस को विश्वास, दान और उम्मीद के त्योहार के रूप में मनाएं। वेटिकन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पोप लियो ने सेंट पीटर बेसिलिका में रात को क्रिसमस मास की अध्यक्षता करते हुए चमकीले तारे को याद किया। उन्होंने कहा, एक नई जली हुई चिंगारी आसमान को रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रभु हर जगह मौजूद है। आसमान में टिमटिमाता यह तारा हर अंधेरे को रोशन करता है। इसकी रोशनी से पूरी मानवता

एक नए और अनंत जीवन की सुबह देखती है।

पोप लियो ने कहा यीशु के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए यह प्रार्थना करनी चाहिए कि वह हमें सभी बुराइयों से छुटकारा दिला सकें। पोप ने कहा कि शिशुओं की देखभाल में दिव्यता का अनुभव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रभु हर इंसान में खुद को प्रकट करते हैं। पोप ने इस बात पर जोर दिया कि ईश्वर हर व्यक्ति की अनंत गरिमा को प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि मसीह के दिल में प्रेम का बंधन धड़कता है।

यह बंधन स्वर्ग और पृथ्वी, निर्माता और जीवों को जोड़ता है। पोप ने कहा कि इस सत्य को पहचानने की जरूरत है। पोप लियो ने इस अवसर पर पिछले साल के समारोह को याद किया। उन्होंने कहा कि पिछले साल इसी दिन पोप फ्रांसिस ने जुबली वर्ष की शुरुआत के मौके पर सेंट पीटर बेसिलिका का पवित्र दरवाजा खोला था। आखिर में पोप लियो ने सभी के बीच क्रिसमस की खुशी बांटने का आह्वान किया।

उस्मान हादी और दीप चंद्र दास की हत्या की जांच में सरकार गंभीर: शफीकुल आलम

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने उस्मान हादी और दीप चंद्र दास की हत्या की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि दोनों मामलों की जांच को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शफीकुल आलम ने ढाका स्थित मुख्य सलाहकार कार्यालय (पीएमओ) के मीडिया सेंटर परिसर में आयोजित एक बैठक के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार इन हत्याओं की सच्चाई सामने लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रेस सचिव ने कहा, 'सरकार इस जांच को अत्यंत प्राथमिकता दे रही है। पुलिस और सभी सुरक्षा एजेंसियां इस मामले पर सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।' उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी होगी और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। सरकार के इस बयान से संकेत मिलता है कि दोनों हत्याकांडों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और जल्द ही जांच में ठोस प्रगति सामने आ सकती है।

तारिक ने ढाका पहुंचते ही कहा, शुक्रिया, प्रो. मोहम्मद यूनुस

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने स्वदेश वापसी में सहयोग के लिए देश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस का शुक्रिया अदा किया है। बीएनपी मीडिया सेल का दावा है कि ढाका पहुंचने के कुछ देरबाद उन्होंने प्रो. यूनुस से टेलीफोनिक बातचीत की। इस दौरान तारिक ने मुख्य सलाहकार का आभार जताया।

बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी बीएसएस के अनुसार, तारिक रहमान ने 17 साल के लंबे वनवास के बाद घर लौटने पर खुशी जताते हुए प्रो. यूनुस का शुक्रिया अदा किया। दोपहर से कुछ देर पहले हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्होंने फोन पर मुख्य सलाहकार से बात की। उन्होंने अपनी सुरक्षा और घरवापसी के कार्यक्रमों दौरान किए गए सुरक्षा प्रबंधों के लिए मुख्य सलाहकार का धन्यवाद किया। बीएनपी मीडिया सेल के आधिकारिक फेसबुक पेज पर साझा किए गए एक वीडियो में तारिक रहमान फोन पर बातचीत के दौरान मुख्य सलाहकार का हालचाल भी पूछा। इस वीडियो में तारिक कह

रहे हैं, मैं अपनी और अपने परिवार की तरफ से आपका शुक्रिया अदा करता हूं। खासकर, मेरी सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के लिए मेरा दिल से शुक्रिया। वीडियो में फोन कॉल के आखिर में उन्होंने प्रोफेसर यूनुस से दुआ मांगी और सलाम करके बातचीत खत्म की।तारिक की घरवापसी पर बीएनपी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि यह देश के 55 साल के इतिहास में एक यादगार पल है। तारिक के लौटने के बाद अहमद ने हवाई अड्डा के बाहर पत्रकारों से बातचीत में खुशी जताई। सलाहुद्दीन ने कहा, आज पूरा देश देख रहा है। इंशा अल्लाह, हमें उम्मीद है कि हम इस पल को एक ऐतिहासिक पल के तौर पर मना पाएंगे। उन्होंने कहा कि अब लोगों में एक नई उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा, हम 16 -17 साल से लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे थे। वह आंदोलन छात्र-जनता के विद्रोह के साथ खत्म हुआ। फासीवाद खत्म हो गया है। आज हम एक आजाद माहौल में खड़े हैं।

कैलिफोर्निया में तूफान, भारी बारिश, काफी हिस्सा बाढ़ से घिरा

एजेंसी

सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया)। कैलिफोर्निया को शक्तिशाली तूफान का सामना करना पड़ा। इस दौरान तेज हवा चलने लगी। कुछ देरबाद बरसात शुरू हो गई। देखते-देखते नदियां उफना गई। कई इलाके बाढ़ से घिर गए। सड़कों में मलबा बहने लगा। कुछ जगहों पर बाढ़ में फंसे लोगों को बचाया गया। मौसम एवं विज्ञान विभाग ने कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में सालों बाद क्रिसमस पर सबसे अधिक बारिश हो सकती है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। जनवरी में जंगल की आग से प्रभावित कुछ इलाकों में लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया। लॉस एंजिल्स काउंटी के अधिकारियों ने कहा कि जर्जर घरों में रहने वाले लगभग 380 लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है।

लॉस एंजिल्स दमकल विभाग ने सुबह बताया कि दमकलकर्मियों ने उत्तर-पश्चिम में एक ड्रेनेज टनल में फंसे एक व्यक्ति को बचा लिया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजोम ने लॉस एंजिल्स, ऑरेंज, रिवरसाइड, सैन बर्नार्डिनो, सैन डिएगो और शास्ता काउंटियों में आपातकाल की घोषणा की। नेशनल वेदर सर्विस ने मंगलवार देरशाम तूफान आने की चेतावनी जारी की थी। लॉस एंजिल्स के अधिकारियों के अनुसार, तूफान के दौरान पेड़ और बिजली के तार टूट कर गिर गए। इस वजह से कई प्रमुख सड़कें बंद हो गई हैं। नेशनल वेदर सर्विस के मौसम विज्ञानी माइक वॉफोर्ड ने कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में आमतौर पर साल के इस समय आधा इंच से एक इंच बारिश होती है, लेकिन इस हफ्ते कई इलाकों में चार से आठ इंच बारिश हो सकती है। लॉस एंजिल्स पुलिस ने लोगों से जर्जर और कमजोर हो चुके घरों में न रहने की अपील की है।

अमेरिका और चीन के राजदूत की वापसी के बयान पर यूएमएल महासचिव घिरे

एजेंसी

काठमांडू। सीपीएन-यूएमएल के महासचिव शंकर पोखरेल नेपाल की संवेदनशील भू-राजनीतिक स्थिति से राजदूतों की वापसी को जोड़ने वाले बयान के बाद सोशल मीडिया पर तीखी आलोचना हो रही है। हालांकि, आलोचनाओं के बीच यूएमएल के कुछ समर्थक पोखरेल के बयान का समर्थन करते भी नजर आए, जबकि अन्य लोगों ने इसे भ्रामक बताया। देश की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव पोखरेल ने मंगलवार देर रात फेसबुक पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि नेपाल की भू-राजनीति एक नाजुक दौर में है, क्योंकि प्रमुख शक्तिशाली देशों के राजदूत एक साथ अपने-अपने देश लौटने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'नेपाल की भू-राजनीति बहुत संवेदनशील स्थिति में है, यह बात प्रमुख शक्तियों के देशों के राजदूतों के एक साथ लौटने की योजना से समझी जा सकती है। '

हालांकि, उनके इस बयान के बाद पत्रकारों और विश्लेषकों ने

उनकी कड़ी आलोचना की और उनके भू-राजनीति तथा कूटनीतिक मानदंडों की समझ पर सवाल उठाए। आलोचकों ने स्पष्ट किया कि चीन के राजदूत अपने कार्यकाल की समाप्ति और पदोन्नति के बाद लौट रहे हैं, जबकि अमेरिकी राजदूत की वापसी अमेरिका की आंतरिक नीति के तहत लगभग 30 देशों से राजदूतों और कूटनीतिक अधिकारियों को वापस बुलाने के फैसले का हिस्सा है। पत्रकार अनिल गिरी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'इतनी कमजोर जानकारी और समझ के साथ कोई यूएमएल जैसी पार्टी का नेता कैसे बन सकता है?' उन्होंने कहा कि चीनी राजदूत की वापसी कार्यकाल पूरा होने और पदोन्नति के कारण है, जबकि अमेरिका का फैसला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति के तहत कई देशों से राजदूतों को वापस बुलाने की प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि 'चीन और अमेरिका ने वर्तमान सुशीला कार्की नेतृत्व वाली सरकार से असंतुष्टि के कारण अपने राजदूत वापस नहीं बुलाए हैं। ' राजनयिक मामलों के पत्रकार पर्शुराम काफ्ले ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नेपाल की संवेदनशील भू-राजनीति का राजदूतों की वापसी से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने लिखा, 'एक राजदूत कार्यकाल पूरा होने के बाद लौट रहा है, जबकि दूसरा अपने देश की आंतरिक योजना के तहत। उस देश ने नेपाल ही नहीं, बल्कि 29 से अधिक देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए हैं।

ताइवान के दक्षिण-पूर्वी इलाके में 6.1 तीव्रता का भूकंप, फिलहाल कोई नुकसान नहीं

एजेंसी

ताइपेई। ताइवान के दक्षिण-पूर्वी तटीय काउंटी ताइतुंग में 6.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। ताइवान के मौसम प्रशासन के अनुसार भूकंप की गहराई करीब 11.9 किलोमीटर थी। झटके राजधानी ताइपेई तक महसूस किए गए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, अब तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है। ताइवान की नेशनल फायर एजेंसी ने भी पुष्टि की है कि भूकंप के बाद किसी बड़े नुकसान या आपात स्थिति की सूचना नहीं मिली है। दुनिया की प्रमुख सेमीकंडक्टर कंपनी टीएसएमसी (टीएसएमसी) ने कहा कि भूकंप की तीव्रता इतनी नहीं थी कि द्वीप पर स्थित उसकी फैक्ट्रियों को खाली कराने की जरूरत पड़े। कंपनी के अनुसार उत्पादन और संचालन सामान्य रूप से जारी है। गौरतलब है कि ताइवान दो प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के संगम क्षेत्र के पास स्थित है, जिस कारण यहां भूकंप की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इससे पहले वर्ष 2016 में दक्षिणी ताइवान में आए भूकंप में 100 से अधिक लोगों की जान गई थी, जबकि 1999 में आए 7.3 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में 2,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी संभावित आफ्टरशॉक को लेकर सतर्कता बरती जा रही है।

नेपाल में राष्ट्रीय सभा चुनाव के लिए सभी सातों प्रदेशों में निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

एजेंसी

काठमांडू। अगले साल 25 जनवरी को होने वाले राष्ट्रीय सभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने सभी सातों प्रदेशों में अपने प्रांतीय कार्यालय स्थापित कर दिए हैं तथा प्रत्येक प्रदेश में निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए हैं।

निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई के अनुसार इन चुनावों के लिए जिला न्यायाधीशों को निर्वाचन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। कोशी प्रदेश में भीमराज प्रसाई, मधेश प्रदेश में शुभनाथ पुरी, बागमती प्रदेश में गीता श्रेष्ठ, गण्डकी प्रदेश में हिमाल बेलवासे, लुम्बिनी प्रदेश में प्रकाशराज पण्डित, कर्णाली प्रदेश में दीपक ढकाल तथा सुदूर पश्चिम

प्रदेश में भुवन सिंह थापा को नियुक्त किया गया है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का प्रकाशन 3 जनवरी को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक किया जाएगा, जिसके बाद दावा-आपत्ति और जांच प्रक्रिया चलेगी। अंतिम मतदाता सूची 6 जनवरी को दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक प्रकाशित की जाएगी। उम्मीदवारों का नामांकन 7 जनवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा। नामांकन के विरुद्ध आपत्तियाँ 8 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक दर्ज कराई जा सकेंगी। उम्मीदवार अपने नामांकन 11 जनवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक वापस ले सकेंगे तथा उसी दिन दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक अंतिम उम्मीदवार सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद 12 जनवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न प्रदान किए जाएंगे। निर्धारित मतदान केंद्रों पर 25 जनवरी को मतदान सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक होगा।

गाजा संघर्षविराम के उल्लंघन का इजराइल ने लगाया आरोप, जवाबी कार्रवाई के संकेत

एजेंसी

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में लागू संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए हमास को चेतावनी दी है कि इजराइल आवश्यक जवाब देगा। यह बयान ऐसे समय आया है, जब दक्षिणी गाजा के रफाह इलाके में एक विस्फोटक उपकरण की चपेट में आकर इजराइली सेना का एक अधिकारी घायल हो गया।प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हमास को अक्टूबर में हुए समझौते की सभी शर्तों का पूरी तरह पालन करना होगा। इस समझौते में गाजा से हमास की सत्ता समाप्त करने, क्षेत्र के निरस्त्रीकरण और कट्टरपंथ समाप्त करने जैसी शर्तें शामिल हैं। बयान में स्पष्ट किया गया कि इजराइल इस घटना को गंभीरता से ले रहा है और स्थिति के अनुरूप

कदम उठाएगा।इजराइली पक्ष का कहना है कि संघर्षविराम का अंतिम उद्देश्य यह है कि हमास हथियार छोड़े, गाजा के शासन में उसकी कोई भूमिका न रहे और बदले में इजराइली सेनाएं क्षेत्र से बाहर निकलें। हालांकि, इस समझौते के सभी पहलुओं पर दोनों पक्षों में अब भी सहमति नहीं बन पाई है। हमास पहले ही यह रुख जाहिर कर चुका है कि वह तभी अपने हथियार सौंपेगा जब एक स्वतंत्र फिलीस्तीनी राज्य की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी। दो वर्षों से जारी युद्ध के बाद गाजा बड़े पैमाने पर तबाही का सामना कर रहा है और ऐसे में संघर्षविराम की स्थिरता को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बनी हुई है। ताजा घटनाक्रम ने एक बार फिर यह आशंका बढ़ा दी है कि यदि हालात पर काबू नहीं पाया गया, तो क्षेत्र में तनाव दोबारा भड़क सकता है।

राजशाही के समर्थक दो पुराने दलों में एकीकरण

एजेंसी

काठमांडू। करीब तीन वर्षों के अलगाव के बाद दो राजावादी दल एक बार फिर एक साथ आ गए हैं। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी नेपाल ने

औपचारिक रूप से एक होने पर सहमति जता दी है। आरपीपी अध्यक्ष राजेन्द्र लिङ्देन और आरपीपी नेपाल के अध्यक्ष कमल थापा के बीच हुई बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया, इसकी जानकारी स्वयं थापा ने दी। कमल थापा ने 8 फरवरी 2022 को पार्टी के महाधिवेशन में लिङ्देन से पराजित होने के बाद आरपीपी से अलग होने की घोषणा की थी। पराजय के बाद उन्होंने पार्टी के आंतरिक चुनाव में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह और नारायणहिटी दरबार के हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया था इसके बाद थापा ने 19 फरवरी 2022 को आरपीपी नेपाल के गठन की घोषणा की थी।

ईरान-पाकिस्तान ने एक ही दिन में 3500 अफगान शरणार्थियों को निकाला बाहर: तालिबान

एजेंसी

काबुल । तालिबान के एक अधिकारी ने दावा किया है कि पड़ोसी देशों ईरान और पाकिस्तान से एक ही दिन में पैंतीस सौ से ज्यादा अफगान शरणार्थियों को बाहर निकाल दिया गया है। यह घटना 2025 में दोनों देशों द्वारा अफगान शरणार्थियों के बड़े पैमाने पर निर्वासन की श्रृंखला का हिस्सा है, जहां अब तक लाखों लोग वापस भेजे जा चुके हैं। गुरुवार को एक्स प्लेटफॉर्म पर तालिबान के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने इसकी जानकारी दी। एक्स पर प्रवासियों के मुद्दों के उच्चायोग की रिपोर्ट शेयर करते हुए बताया कि शनिवार को ईरान और पाकिस्तान से (745 परिवार, जिनमें 3,513 लोग शामिल थे) हजारों को जबरन अफगानिस्तान भेजा गया।

उन्होंने कहा कि अफगान प्रवासी कंधार में स्पिन बोल्डक, हेलमंद में बहरामचा, हेरात में इस्लाम कला क्रॉसिंग, निमरोज में पुल-ए-अब रेशम और नंगरहार में तोरखम क्रॉसिंग के रास्ते अफगानिस्तान पहुंचे। फितरत ने बताया कि 627 परिवारों (जिनमें 3,487 लोग शामिल थे) को उनके इलाकों में ले जाया गया, जबकि 660 परिवारों को अफगानिस्तान की सीमा में दाखिल होने के साथ ही मानवीय सहायता दी गई। उन्होंने आगे बताया कि संचार कंपनियों ने अफगानिस्तान लौटे शरणार्थियों को 714 सिम कार्ड बांटे। ईरान और पाकिस्तान से 3,610 अफगान प्रवासियों को जबरन वापस भेज दिया गया था।

पिछले महीने, पाकिस्तान से हाल ही में स्वदेश लौटे कई अफगान प्रवासियों ने कहा कि उन्हें सर्दियों के मौसम में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि उन्होंने आश्रय की कमी, सर्दियों में मदद की जरूरत और इलेक्ट्रॉनिक आईडी कार्ड (तजकिरा) बनवाने में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया था।

अफगान अखबार '8 एएम मीडिया,' जिसे हश्त-ए-सुभ डेली के नाम से भी जाना जाता है, की एक रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों को उनके बुनियादी अधिकार तक नहीं दिए जाते। वे लगातार खौफ के साये में जीते हैं। मानवाधिकार समूह शरणार्थियों के प्रति सरकार के रवैए पर भी कुछ बोलने से परहेज करते हैं। पिछले कुछ महीनों से, तालिबान और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहने के कारण, इस्लामाबाद ने अफगान शरणार्थियों पर दबाव बढ़ा दिया है। पाकिस्तानी सेना इस्लामाबाद सहित विभिन्न क्षेत्रों में हर दिन प्रवासियों को बड़े पैमाने पर परेशान कर रही है।

बिना वीजा के अफगान शरणार्थियों की गिरफ्तारी से जुड़े आधिकारिक अभियानों के अलावा, सादे कपड़ों में लोग रिहायशी इलाकों में प्रवासियों से पैसे वसूलते हैं। अफगानी कहते हैं कि वे डर और चिंता से भरे अमानवीय हालात में रहने को मजबूर हैं, जहां उनके शरणार्थी अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/26/2025 12:05 AM Page 2

मसूर फसल की आर्गेनिक खेती

जलवायु

मसूर के लिए समशीतोष्ण जलवायु की आवश्यकता होती है,ऊष्ण-कटिबंधीय व उपोष्ण-कटिबंधीय क्षेत्रों में मसूर शरद ऋतू की फसल के रूप में उगाई है जाती,विभिन्न स्थानों पर विभिन्न प्रकार की जलवायु में मसूर की फसल समुद्री सतह से लगभग 3500 मीटर की ऊंचाई तक उगाई जाती है.पौधों की वृद्धि के लिए अपेक्षाकृत अधिक ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है अतः भारत में मसूर की फसल रबी की ऋतू में उगाई जाती है . उन सभी स्थानों पर 80-100 सेमी तक वार्षिक वर्षा होती है मसूर की फसल बिना वर्षा के भी उगाई जा सकती है, परन्तु कम वर्षा वाले स्थानों पर सिंचाइयों की सुविधा उपलब्ध होना अति आवश्यक है, अधिक वर्षा फसल के लिए हानिकारक होती है. पौधों की वृद्धि के लिए अधिक ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है परन्तु पाले का फसल पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है , पौधों की वानस्पतिक वृद्धि के लिए अपेक्षाकृत उच्च तापक्रम आवश्यक होता है, इस प्रकार फसल वृद्धि की विभिन्न अवस्थाओं के लिए 18.33 – 29.44 डिग्री सेल्सियस तापक्रम अनुकूल होता है .

सी एम शर्मा

रबी की दलहनी फसलों में मसूर का प्रमुख स्थान है। यह एक लोकप्रिय दलहनी फसल है जिसकी खेती प्रायः हर राज्य में की जाती है।

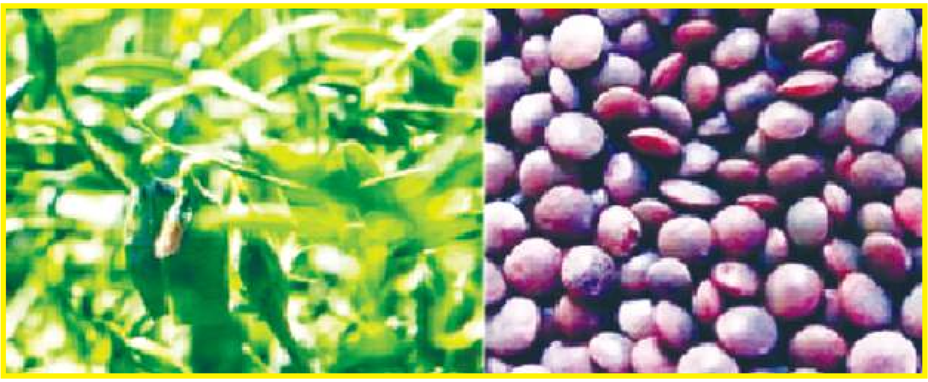

इसकी खेती प्रायः असिंचित क्षेत्रों में धान/ मक्की की फसल के बाद की जाती है ।

रबी मौसम में सरसों के साथ अंततः फसल के रूप में लगाया जाता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाये रखने में भी मसूर की खेती बहुत सहायक होती है। उन्नतशील उत्पादन तकनीको का प्रयोग करके मसूर की उपज में बढ़ोतरी की जा सकती है।

भूमि का चयन

मसूर की खेती के लिए दोमट मिट्टी काफी उपयोगी होती है। नमीयुक्त मटियार खेत में धान या मक्की की अगैती फसल के बाद या फिर खाली पड़े खेत में मसूर की खेतीबाडी आसानी पूर्वक की जा सकती है।

खेत की तैयारी

मसूर की खेती के लिए खेत को 2-3 बार देशी हल अथवा कल्टीवेटर से जुताईकर मिट्टी को भूरभूरी बना देते है। बीज की बोआई जीरो टिलेज मशीन से करने के बाद कल्टीवेटर या रोटावेटर से जोताई कर खेत भुरभुरा करना चाहिए।

मसूर बोने का समय

दलहन की बोआई के लिए वैसे तो असिंचित क्षेत्र में 15 से 31 अक्टूबर के बीच का समय उपयुक्त माना गया है। किन्तु सिंचित इलाकों में इसकी बोआई का समय 15 नवम्बर तक हो सकता है। मसूर की उन्नत प्रजातियां को 15 अक्टूबर से 25 नवम्बर के बीज बुवाई कर देनी चाहिए।

जम्मू कश्मीर राज्य के लिए मसूर की अनुसंसित प्रजातियों के नाम इस तरह से हैं कश्मीर व राज्य के ठन्डे क्षेत्रों के लिए कुछ अन्य प्रजातियें है

शालीमार एम - 1, शालीमार एम - 2, पी.एल. 4, डी.पी.एल. 15.

छोटे दाने की प्रजातियाँ

पंत के 639 - यह प्रजाति 135-140 दिन में तैयार हो जाती है। यह जड़ सड़न एवं उकठा रोग के लिए प्रतिरोधी मानी जाती है। पी0एल0 406 - यह प्रभेद 140-145 दिन में तैयार होती है। इसमें रस्ट, विल्ट एवं अट रोग से लड़ने की क्षमता होती है।

एच0यू0एल0 57 - यह प्रजाति 120-125 दिन में परिपक्व हो जाती है तथा इसमें भी जड़ सड़न एवं उकठा रोग से लड़ने की क्षमता है।

बड़े दाने वाली प्रजातियाँ- मसूर की बुवाई की जाने वाली प्रमुख प्रजातियाँ जैसे की आई पी एल81 भी जम्मू क्षेत्र के लिए अनुशंसित है

बीज की मात्रा एवं बोने की बिधि

छोट दानो वाले प्रभेदो के लिए एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में बुबाई के लिए 35-40 किलोग्राम बीच की जरूरत पड़ती है। जबकी बड़े दानों वाले किस्मों के लिए 50-55 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई के समय किस्मों के आधार पर कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी क्रमशः 25 से0मी0 और 10 से0मी रखनी चाहिए।

बीजोपचार

प्रारम्भिक अवस्था के रोगों से बचाने के लिए बुवाई से पहले मसूर के बीजों को सही उपचार करना जरूरी होता है। इसके लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी 5 ग्राम प्रति किलों बीज या कार्बेन्डाजिन 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। बीजोपचार में सबसे पहले कवकनाशी तत्पश्चात् कीटनाशी एवं सबसे बाद में रहिज़ोबियम कल्चर से उपचारित करने का क्रम अनिवार्य होता है।

उर्वरकों का प्रयोग

मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग आवश्यतानुसार करना चाहिए। साइल हेल्थ कार्ड इसी लिए बने हैं। सामान्य परिस्थिति में 20 किलो नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फूर एवं 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर उपयोग करना चाहिए। प्रायः असिंचित क्षेत्रों में स्फूर की उपलब्धता घट जाती है। इसके लिए पी एस बी का भी प्रयोग कर सकते है। 4 किलो पी एस बी (जैविक उर्वरक) को 50 किलोग्राम कम्पोस्ट में मिलाकर खेतों में बुवाई पूर्व व्यवहार करें। जिन क्षेत्रों में जिंक एवं बोरान की कमी पाई जाती है उन खेतों में 25-30 किलोग्राम जिंक सल्फेट एवं 10 किलोग्राम बोरेक्स पाउडर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के समय प्रयोग करना चाहिए।

सिंचाई

जिन खेतों के नमी कम पाई जाती है वहा एक सिंचाई (बुबाई के 45 दिन बाद) अधिक लाभकारी होती है। खेतों में पानी का जमाव नहीं होना चाहिए। इससे फसल प्रभावित हो जाती है।

खरपतवार नियंत्रण

मसूर के खेत में प्रायः मोथा, दूब, बथुआ, मिसिया, आक्टा वनप्याजी, बनगाजर आदि खरपतवार का प्रकोप ज्यादा होता है। इसके नियत्रण के लिए 2 लीटर फ्लूक्लोरिन को 600-700 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से अंतिम जूताई के बाद छिटकर मिला दे अथवा पेण्डीमेथीलीन एक किलोग्राम को 1000 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के 48 घंटे के अन्दर छिड़काव करना चाहिए।

सर्दी के मौसम में सब्जियों को पाले से कैसे बचाएं

सर्दियों के मौसम में सब्जीयों को सबसे ज्यादा नुकसान पाले से होता है। इन दिनों सब्जी वाली फसलों में कीट और रोग बहुत कम लगते हैं. और जितना नुकसान सब्जियों को ठंड के मौसम में कीड़ों से नहीं होता, उससे अधिक कोहरा और पाला पड़ने से होता है.

सर्दियों में पाला 25 जनवरी के बाद पड़ना शुरू होता है, इसके पहले कोहरा पड़ता है। पाले की तुलना में कोहरे से सब्जियों को बहुत कम नुकसान होता है। इन दिनों यदि समय रहते सब्जियों की देखरेख न किया जाय तो एक ही रात में पूरी फसल बर्बाद हो जाता है.

अतः आज के इस पोस्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में सब्जी के फसलों को पाले से बचाने के लिए क्या करना चाहिए। तथा पाला पड़ने पर सब्जियों को क्या नुकसान होता है.

कोहरा क्या होता है

कोहरा सर्दियों के सीजन में उत्तर प्रदेश, बिहार, नई दिल्ली के साथ-साथ अन्य राज्यों में पड़ता है। कोहरा भाप या धुएं की तरह जमीन पर और आकाश में रहता है, कोहरा पड़ने पर मौसम कुछ शुष्क रहता है। सर्दियों के मौसम में जब कोहरा होता है तब गलन काफी कम होती है। लेकिन जब घना कोहरा होता है तब 30 फिट की दूरी पर को भी पेड़-पौधा नहीं दिखाई देता है.

पाले से फसलों को नुकसान

कोहरे की अपेच्छा पाले से फसलों को अधिक नुकसान होता है. सब्जियों के जिस भी फसल पर पाले का असर होता है वह फसल एक साथ काला पड़ जाता है पत्तियाँ सहित पेड़ और उसमें लगे फलों पर काले पड़ जाते है. और फिर इस पर किसी भी दवाओं का कोई असर नहीं होता है।

लेकिन कुछ फसलें ऐसी होती हैं जिन पर कोहरा और पाला का कोई असर नहीं होता है. क्योंकि इनके लिए सर्दी का मौसम ही उपयुक्त होता है। जैसे- गेहूं, सरसों, पत्ता गोभी, फूल गोभी, धनियां.

सर्दियों में धुँए से फसलों को बचाने का उपाय

कोहरे और पाले से सब्जियों को बचाने के लिए धुएं का भी प्रयोग किया जाता है। पुराने जमाने मे जब रासायनिक दवा का छिड़काव बहुत कम होता था और गरीब किसान महंगे दवा खरीदने में सक्षम नहीं होते थे। तब गांव के सभी किसान अपने खेतों में हवा के विपरीत दिशा में आग जलाकर धुएं कर दिया करते थे.

तो यह तरीका आज भी काम करता है। आज भी गांव के किसान कोहरा और पाला पड़ने पर खेतों में ईंधन जलाकर धुएँ करते हैं.

सिंचाई द्वारा पाले से बचाव

शीतलहर, कोहरा और पाले से सब्जियों का बचाव करने के लिए खेतों में हल्की सिंचाई कर देनी चाहिए. और सिंचाई हो सके तो हमेशा शाम को करना चाहिए क्योंकि रात में पाले अधिक पड़ते हैं.

पाला कब पड़ता है?

सर्दियों के मौसम में जब तापमान के हिमांक बिन्दु से नीचे जाने लगती है तब पानी बर्फ बनने लगती है और उस समय ओस बर्फ के रूप में पाला बनकर पड़ती है.

पाले से फसल को बचाने के लिए क्या करना चाहिए?

पाले से फसल को बचाने के लिए रसायनों का छिड़काव, लकड़ी का धुआं और सिंचाई करना चाहिए.

आज राष्ट्रीय स्तर पर 'वीर बाल दिवस' मनाएगा और 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए जाएंगे

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 20 बच्चों का चयन 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' के लिए किया गया भारत सरकार का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय कल (26 दिसंबर 2025) को राष्ट्रीय स्तर पर वीर बाल दिवस मनाएगा। इस अवसर पर भारत के युवा वीरों के साहस, बलिदान और अनुकरणीय मूल्यों को स्मरण किया जाएगा। इसी दिन विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियाँ हासिल करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान किए जाएंगे।

राष्ट्रपति द्वारा 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए जाएंगे

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष बच्चों को प्रदान किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान है। यह पुरस्कार वीरता,कला एवं संस्कृति,पर्यावरण,सामाजिक सेवा,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा खेल के क्षेत्रों में असाधारण उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया जाता है। वर्ष 2025 में 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 20 बच्चों का इस सम्मान के लिए चयन किया गया है। यह पुरस्कार भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा 26 दिसंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे,विज्ञान भवन,नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया जाएगा।

वीर बाल दिवस 2025 का राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम 26 दिसंबर 2025 को भारत मंडपम,नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

इस राष्ट्रीय आयोजन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति भी रहेगी, जो बच्चों और युवाओं को संबोधित करेंगे तथा राष्ट्र निर्माण में युवा नागरिकों की भूमिका को रेखांकित करेंगे। यह कार्यक्रम वीरता,दृढ़ता और निस्वार्थ सेवा की प्रेरक कहानियों को प्रस्तुत करेगा,जिससे बच्चों और युवाओं को प्रेरणा मिलेगी तथा विकसित भारत @2047 के अनुरूप सशक्त और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया जाएगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी स्वागत भाषण देंगी।

इस कार्यक्रम में देशभर से स्कूली बच्चे,प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्तकर्ता तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत और वीरता की भावना को प्रदर्शित करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समारोह का प्रमुख हिस्सा होंगी।

वीर बाल दिवस 2025 के इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का 26 दिसंबर 2025 को दोपहर 12:30 बजे से एनआईसी वेबकास्ट,डीडी न्यूज तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के यूट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारित किया जाएगा, जिससे देशभर में व्यापक सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी।

मुशायरे दा आयोजन किता

जम्मू, 25 दिसंबर। आज डोगरी मानता दिवस पर डोगरी साहित्य सभा कुपड प्रगालता ने इक मुशायरे और कवि सम्मेलन दा आयोजन किता। ऐस कार्यक्रम दी प्रधानता श्री राम रतन शर्मा ने किती ऐ। मुख्य परोने श्री रैमत अली बीडीसी और मुख परोने हे। मुशायरे दी शुरूआत डोगरी गीतै कनें होआ। इस मुशायरे विच राजकुमार, कवि जनक राज भगत, मोहन लाल वर्मा, रामपाल नरायण दत्त, विशाल डोगरा, सुभाष सुंबडिया, नजीर आदि ने हिस्सा लिया।

आलू एक उत्तम पोष्टिक आहार

सी एम शर्मा

आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है। यह एक अर्द्धसडनशील सब्जी वाली फसल है। भारत के कई भागों में तो पूरे वर्ष आलू की खेती की जाती है।

इसकी उपज क्षमता समय के अनुसार सभी फसलों से ज्यादा है इसलिए इसको अकाल नाशक फसल भी कहते हैं। इसका प्रत्येक कंद पोषक तत्वों का भण्डार है, जो बच्चों से लेकर बूढों तक के शरीर का पोषण करता है।

अब तो आलू एक उत्तम पोष्टिक आहार के रूप में व्यवहार होने लगा है। बढ़ती आबादी के कुपोषण एवं भुखमरी से बचाने में यह फसल मददगार है। जम्मू के गर्म मैदानी इलाकों में और दर्मियानी इलाकों में आलू की खेती के लिए उपयुक्त समय आ रहा है क्योंकि आलू के लिए छोटे दिनों की अवस्था की आवश्यकता होती है।

अपने अपने इलाके में उपयुक्त प्रजाति के बारे में सलाह सम्बंधित वैज्ञानिकों से लें।

खेत का चयन

ऊपर वाली भीठ जमीन जो जल जमाव एवं ऊसर से रहित हो तथा जहाँ सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित हो वह खेत आलू की खेती के लिए उपयुक्त है। खरीफ मक्का एवं अगात धान से खाली किए गए खेत में भी इसकी खेती की जाती है।

खेत की जुताई

ट्रैक्टर चालित मिट्टी पलटने वाले डिस्क द्धडुद्य या एम.बी. द्धडुद्य से एक जुताई करने के बाद डिस्क हैरो 12 तबा से दो चास (एक बार) करने के बाद कल्टी वेटर से दो चास (एक बार) करने के बाद खेत आलू की बोआई योग्य तैयार हो जाता है।

प्रत्येक जुताई में दो दिनों का अंतर रखने से खर-पतवार में कमी आती है तथा मिट्टी पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक जुताई के बाद खर-पतवार निकालने की व्यवस्था की जाती है। ऐसा करने से खेत की नमी बनी रहेगी तथा खेत खर-पतवार से मुक्त हो जाएगा।

खाद एवं उर्वरक

आलू बहुत खाद खाने वाली फसल है। यह मिट्टी के ऊपरी सतह से ही भोजन प्राप्त करती है। इसलिए इसे प्रचुर मात्रा में जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता होती है।

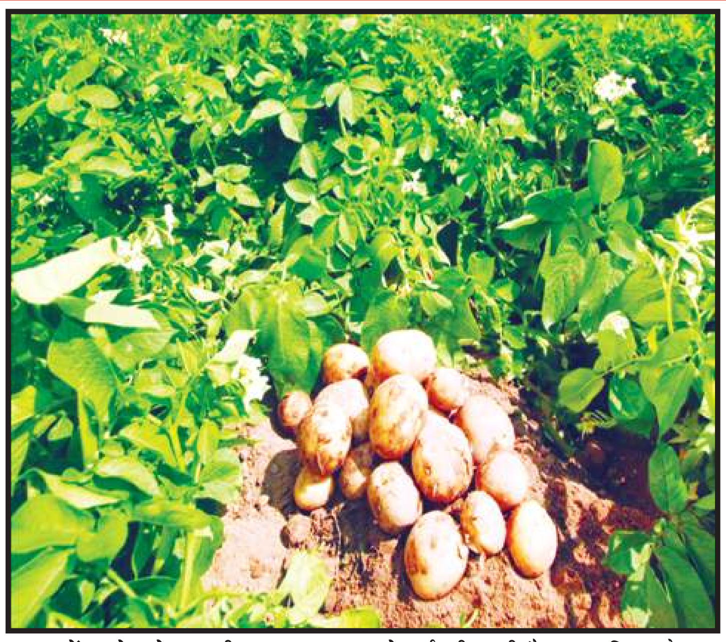

इसमें सड़े गोबर की खाद 200 क्विंटल तथा 5 क्विंटल खल्ली प्रति हें. की दर से डाला जाता है। खल्ली में अंडी, सरसों, नीम एवं करंज जो भी आसानी से मिल जाय उसका व्यवहार करे। ऐसा करने से मिट्टी की उर्वराशक्ति हमेशा कायम रहती है तथा रासायनिक उर्वरक पौधों को आवश्यकतानुसार सही समय पर मिलता रहता है।

रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी के परिक्षण और साइल हेल्थ कार्ड की सिफारिश के आधार पर ही करें। नाइट्रोजन यूरिया के रूप में आधी मात्रा बोआई के समय तथा शेष बोआई के 30 दिन बाद मिट्टी चढ़ाने के समय डाला जाता है।

फॉस्फोरस तथा पोटाश के लिए डी.ए.पी. तथा पोटाश के लिए म्यूरिएट ऑफ़ पोटाश से व्यवहार करें।

बोआई के समय आलू की पंक्तियों में खाद डालना अधिक लाभकर है परन्तु ध्यान रहे उर्वरक एवं आलू के कंद में सीधा सम्पर्क न हो नहीं तो कंद सड़ सकता है।

इसलिए व्हील होए या लहसूनिया हल से नाला बनाकर उसी में खाद डालें। खाद की नाली से 5 से 10 सेंमी. की दूरी पर दूसरी नाली में आलू का कंद डालें।

यदि पोटेटो प्लांटर उपलब्ध हो तो उसके अनुसार उर्वरक प्रयोग में परिवर्तन किया जा सकता है।

बोआई का समय

अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से लेकर 20 नवम्बर तक या दीवाली तक आलू की बोआई की जाती है। जम्मू जिला के कुछ क्षेत्रों में जनुअरी के प्रथम पखवारे में आलू की बोआई की जाती है।

प्रजातियों का चयन

आवश्यकता एवं इच्छा के अनुसार कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर प्रजातियों का चयन करें।

आलू की खेती के लिए किस्में

आलू अनुसंधान केंद्र शिमला की ओर से आलू की कई किस्में विकसित की गई हैं, जो इस प्रकार हैं

कुफरी अलंकार इस किस्म में फसल 70 दिनों में तैयार हो जाती है मगर यह किस्म पछेती अंगमारी रोग के लिए कुछ हद तक प्रतिरोधी है। यह किस्म प्रति हेक्टेयर 200-250 क्विंटल उपज स्रद्गती है।

कुफरी चंद्रमुखी आलू की इस किस्म में फसल 80 से 90 दिनों में तैयार हो जाती है और उपज 200 से 250 क्विंटल तक होती है।

कुफरी नवताल जी 2524 आलू की इस किस्म में फसल 75 से 85 दिनों में तैयार हो जाती है। इसमें 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी बहार 3792 ई इस किस्म में फसल 90 से 110 दिनों में तैयार हो जाती है, जबकि गर्मियों में 100 से 135 दिनों में फसल तैयार होती है।

कुफरी शीलमानआलू की खेती की यह किस्म 100 से 130 दिनों में तैयार होती है, जबकि उपज 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक होती है।

कुफरी ज्योति इस किस्म में फसल 80 से 150 दिनों में तैयार हो जाती है। यह किस्म 150 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज देती है।

कुफरी सिंदूरी इस किस्म से आलू की फसल 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है और 300 से 400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी बादशाह आलू की खेती में इस किस्म में फसल 100 से 130 दिन में तैयार हो जाती है और 250-275 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी देवा इस किस्म में आलू की फसल 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है और 300 से 400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी लालिमा इस किस्म में फसल सिर्फ 90 से 100 दिन में ही तैयार हो जाती है। यह अगेती झुलसा के लिए मध्यम अवरोधी है।

कुफरी लवकर 4eh किस्म 100 से 120 दिनों में तैयार हो जाती है और 300 से 400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी स्वर्ण- इस किस्म से फसल 110 दिन में तैयार हो जाती है और उपज 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

संकर किस्में

कुफरी जवाहर जेएच 222ऽ इस किस्म में 90 से 110 दिन में फसल तैयार हो जाती है और खेतों में अगेता झुलसा और फोम रोग की यह प्रतिरोधी किस्म है। इसमें 250 से 300 क्विंटल उपज होती है।

आलू की नई किस्में

इसके अलावा आलू की कुछ नयी किस्में भी हैं। इनमें कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-2, कुफरी गिरिराज और कुफरी आनंद भी शामिल है।

बीज दर

आलू का बीज दर इसके कंद के वजन, दो पंक्तियों के बीच की दूरी तथा प्रत्येक पंक्ति में दो पौधों के बीच की दूरी पर निर्भर करता है।

प्रति कंद 10 ग्राम से 30 ग्राम तक वजन वाले आलू की बोआई करने पर प्रति हें. 10 क्विंटल से लेकर 30 क्विंटल तक आलू के कंद की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

शीत-भंडार से आलू निकालने के बाद उसे त्रिपाल या पक्की फर्श पर छायादार एवं हवादार जगह में फैलाकर कम से कम एक सप्ताह तक रखा जाता है। सड़े एवं कटे कंद को प्रतिदिन निकालते रहना चाहिए।

जब आलू के कंद में अंकुरण निकलना प्रारंभ हो जाय तब रासायनिक बीजोपचार के बाद बोआई करनी चाहिए।

रासायनिक बीजोपचार

शीत भंडार से निकाले कंद को फफूंद एवं बैक्टिरिया जनित रोगों से सुरक्षा के लिए फफूंदनाशक एवं एन्टीवायोटिक दवा का व्यवहार किया जाता है। इसके लिए ड्रम, बाल्टी, या टिन में नाप कर पानी लिया जाता है। प्रति लीटर पानी में 5 ग्राम कार्बेन्डाजिम तथा आधा ग्राम यानि 500 मिलीग्राम स्ट्रोप्टोसाइक्लिन एन्टीवायोटिक दवा का पाउडर मिलाकर घोल तैयार करें ।

इस घोल में कंद को 15 मिनट तक डुबाकर रखने के बाद घोल से आलू को निकाल कर त्रिपाल या खली बोर पर छायादार स्थान में फैला कर रखें ताकि कंद की नमी कम हो जाय।

घोल बहुत गंदा हो जाने पर या बहुत कम हो जाने पर उस घोल को फेंक कर फिर से पानी डालकर नया घोल तैयार कर लिया जाता है। फफूंदनाशक दवाओं में घोल तैयार करने वास्ते कार्बेन्डाजिम सस्ता पड़ता है। इसके अभाव में इन्डोफिल एम.-45, कैप्टाफ या ब्लाइटाक्स 2.5 ग्राम मात्र प्रति लीटर पानी में घोलकर घोल बनाया जा सकता है। इसका मतलब है कि बीजोपचार आवश्यक है। ऐसा करने से खेत में आलू की सड़न रुक जाती है तथा कंद की अंकुरण क्षमता बढ़ जाती है।

रोपने की दूरी

आलू को शुद्ध फसल के लिए दो पंक्तियों के बीच की दूरी 40 सें.मी. से लेकर 60 सें.मी. तक रखें ।

प्रत्येक कतार में दो कंद के बीच की दूरी 15 सें.मी. से लेकर 20 सें.मी. तक रखें। छोटे कंद को 15 सें.मी. की दूरी पर तथा बड़े कंद को 20 सें.मी. की दूरी पर बोआई करें।

रोपनी की विधि

आलू रोपने के समय ही कुदाली से मिट्टी चढ़ाकर लगभग 15 सें.मी. ऊँचा मेड बना लें तथा उसे कुदाली से हल्का थप-थप कर मिट्टी दबा स्रद्गठ्ठ ताकि मिट्टी की नमी बनी रहे तथा सिंचाई में भी सुविधा हो।

यदि सुविधा हो तो बड़े खेत में पोटेटो प्लांटर से भी बोआई की जाती है। इसके द्वारा समय एवं श्रम दोनों की बचत होती है।